हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 189, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 25 दिसम्बर, 2021 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

यूपी में टाले जाएं चुनावः मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा- हालात देखने के बाद होगा फैसला

कोर्ट ने रैलियों पर रोक लगाने व विस चुनाव स्थगित करने का किया अनुरोध

लखनऊ। कोरोना के नए वैरिएंट की भयावहता को देखते हुए गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को सलाह दी थी कि आगामी यूपी चुनाव टाल दिए जाएं और चुनावी रैलियों पर बैन लगे। अब चुनाव आयोग ने हाईकोर्ट के सुझाव पर जवाब दिया है। आयोग ने कहा है, उत्तर प्रदेश में हालात का जायजा लेने अगले हफ्ते आएगी चुनाव आयोग की टीम मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने विधानसभा चुनाव टालने के बारे में कहा है कि हम अगले हफ्ते उत्तर प्रदेश जाएंगे। हालात का जायजा लेने के बाद उचित फैसला लिया जाएगा। दरअसल, इलाहाबाद हाइकोर्ट ने कोरोना के बढ़ते केस पर चिंता जताई थी। कोर्ट ने चुनाव आयोग से उत्तर प्रदेश में चुनावी रैलियों पर तुरंत रोक लगाने और विधानसभा चुनाव स्थगित करने का अनुरोध किया था।

न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने ओमिक्रॉन के खतरे पर चिंता जताते हुए गुरुवार को प्रधानमंत्री और चुनाव आयुक्त से अनुरोध किया था कि विधानसभा चुनाव में कोरोना की तीसरी लहर से जनता को बचाने के लिए राजनीतिक पार्टियों की चुनावी रैलियों पर रोक लगाई जाए। उनसे कहा जाए कि चुनाव प्रचार दूरदर्शन और समाचार पत्रों के माध्यम से करें। पार्टियों की चुनावी सभाएं एवं रैलियों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं। प्रधानमंत्री चुनाव टालने पर भी विचार करें, क्योंकि जान है तो जहान है। न्यायमूर्ति शेखर कुमार जेल में बंद आरोपी संजय यादव की जमानत पर सुनवाई कर रहे थे। संजय के खिलाफ इलाहाबाद के थाना कैंट में मुकदमा दर्ज है। उसे गुरुवार को जमानत मिल गई। हाईकोर्ट ने कहा कि संभव हो सके तो फरवरी में होने वाले चुनाव को एक-दो माह के लिए टाल दें, क्योंकि जीवन रहेगा तो चुनावी रैलियां, सभाएं आगे भी होती रहेंगी। जीवन का अधिकार हमें भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में भी दिया गया है। हाईकोर्ट ने कहा था कि एक दैनिक समाचार पत्र के अनुसार 24 घंटे में 6 हजार नए मामले मिले हैं। 318 लोगों की मौतें हुई हैं। यह समस्या हर दिन बढ़ती जा रही है। इस महामारी को देखते हुए चीन, नीदरलैंड, आयरलैंड, जर्मनी, स्कॉटलैंड जैसे देशों ने पूर्ण या आंशिक लॉकडाउन लगा दिया है। ऐसी दशा में महानिबंधक, उच्च न्यायालय इलाहाबाद से कहा है कि वह इस विकट स्थिति से निपटने के लिए नियम बनाएं।

राजीव गांधी हत्याकांड : नलिनी श्रीहरन को मिली एक महीने की पैरोल

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट रही नलिनी श्रीहरन को एक महीने की पैरोल देने का फैसला किया है। सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट को बताया कि उसकी बीमार मां के अनुरोध पर नलिनी को एक महीने की पैरोल देने का फैसला किया गया है। बता दें कि राजीव गांधी हत्याकांड की सात दोषियों में से एक नलिनी तमिलनाडु की वेल्लोर जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रही है। वह साल 1991 से जेल में है। उसकी बेटी का जन्म भी जेल में ही हुआ था। उसके साथ राजीव गांधी हत्याकांड के 6 अन्य दोषी भी सजा काट रहे हैं। इनमें नलिनी का पति मुरुगन भी शामिल है।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं ओमिक्रोन संक्रमण से बचाव का एकमात्र उपाय

नई दिल्ली। पिछले छह माह के दौरान 22 दिसंबर को दिल्ली में एक दिन में कोविड संक्रमण के सबसे ज्यादा 125 मामले दर्ज किए गए। चिंता में वृद्धि इस तथ्य से अधिक हो रही है कि दिल्ली में अब कोरोना वायरस के ओमिक्रोन वैरिएंट, जो बहुत तेजी से फैलता है, उसके मामले 57 से अधिक हो गए हैं। देश के

अन्य राज्यों में भी इस नए वैरिएंट के बढ़ते खतरे को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सावधान किया है कि डेल्टा वैरिएंट से कई गुना अधिक तेजी से संक्रमित करने वाले ओमिक्रोन वैरिएंट के कारण कोविड संक्रमण के मामले में एक बार फिर तेजी से वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे बचने का एकमात्र उपाय यही है कि स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर किया जाए। साथ ही कोविड प्रोटोकाल्स का पालन सख्ती से किया जाए। दुर्भाग्य से यही काम नहीं हो रहा है। जबकि हम सभी यह जानते हैं कि सावधानी हटते ही दुर्घटना हो जाती है।

ओमिक्रोन वैरिएंट के बढ़ते संक्रमण के कारण उत्तर प्रदेश में कल से रात्रिकालीन कोरोना कर्फ्यू

लखनऊ। देश में एक बार फिर से कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रान के बढ़ते संक्रमण के चलते उत्तर प्रदेश सरकार ने भी सतर्कता शुरू कर दी है। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में 25 दिसंबर यानी कल रात से कोरोना रात्रिकालीन कर्फ्यू लगाने का निर्णय किया गया है। मध्य प्रदेश के बाद उत्तर प्रदेश में भी रात्रिकालीन कोरोना कर्फ्यू प्रभावी किया गया है। उत्तर प्रदेश शासन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शनिवार 25 दिसंबर से उत्तर प्रदेश में रात्रिकालीन कोरोना कर्फ्यू लगाने का निर्णय किया है। अब प्रदेश में रात 11 बजे से प्रातः पांच बजे तक रात्रिकालीन कोरोना कर्फ्यू लागू होगा। इसके साथ ही अब शादी-विवाह आदि सार्वजनिक आयोजनों में कोविड प्रोटोकॉल का साथ अधिकतम 200 लोगों के भागीदारी की अनुमति होगी। इनके आयोजनकर्ता को स्थानीय जिला तथा पुलिस प्रशासन को इसकी सूचना भी देनी होगी। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में कोविड के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। ऐसे में कुछ कड़े कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। शनिवार 25 दिसंबर से प्रदेशव्यापी रात्रिकालीन कोरोना कर्फ्यू प्रभावी किया जाए। हर दिन रात्रि 11 बजे से प्रातः 05

बजे तक रात्रिकालीन कोरोना कर्फ्यू लागू होगा। शादी-विवाह आदि सार्वजनिक आयोजनों में कोविड प्रोटोकॉल का साथ अधिकतम 200 लोगों के भागीदारी की अनुमति हो। उन्होंने कहा कोविड से बचाव के लिए ट्रेसिंग, टेस्टिंग, ट्रीटमेंट और टीकाकरण की नीति के सही क्रियान्वयन से प्रदेश में स्थिति नियंत्रित है। हमको इसको किसी तरह से रोकना है। अतः बचाव ही सर्वाधिक सुरक्षित माध्यम है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोविड की तीसरी लहर की आशंका के दृष्टिगत हमने पूर्व में व्यवस्थित तैयारियां की हैं। जिनका पुनर्परीक्षण कर लिया जाए। प्रदेश के शासकीय/निजी चिकित्सा संस्थानों में उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाओं की बारीकी से परख कर ली जाए। औद्योगिक इकाइयों में कोविड हेल्प डेस्क और डे केयर सेंटर फिर एक्टिव करें।

उत्तर प्रदेश में अब मास्क नहीं तो सामान नहीं को अपनाएं व्यापारी– सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसके साथ ही निर्देश दिया है कि बाजारों में बढ़ती भीड़ को देखकर व्यापारी भी सतर्क रहे। व्यापारी लोगों को मास्क नहीं तो सामान नहीं के संदेश के साथ लोगों को जागरूक करें। बिना मास्क वाले को कोई भी दुकानदार सामान न दे। सड़कों तथा बाजारों में हर किसी के लिए मास्क को अनिवार्य किया जाए। पुलिस बल लगातार गश्त करे। पब्लिक एड्रेस सिस्टम को और प्रभावी बनाया जाए। देश के किसी भी राज्य से अथवा विदेश से उत्तर प्रदेश की सीमा में आने वाले हर एक व्यक्ति की ट्रेसिंग-टेस्टिंग की जाए। बस, रेलवे और एयरपोर्ट पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए।

दिल्ली पुलिस ने गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी को ब्लैकमेल करने के आरोप में पांच को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को ब्लैकमेल करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने

इन पांच लोगों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इन पांचों से फिलहाल इस मामले में पूछताछ की जा रही है। इनके नाम अमित काला, अश्विन, अमित, संदीप और निशांत हैं। मालूम हो कि लखीमपुर खीरी में किसानों के जुलूस में गाड़ी चलाकर हत्या करने का उनके बेटे पर आरोप लगा था। उनके बेटे का नाम आशीष मिश्रा है। वो लखीमपुर खीरी कांड का मुख्य अभियुक्त है। किसानों के आंदोलन के दौरान लखीमपुर खीरी में हुए इस हादसे से काफी हंगामा हुआ था, इस घटना का एक वीडियो काफी वायरल हुआ था। वीडियो सामने आने के बाद किसान नेता अजय मिश्र को बर्खास्त किए जाने की मांग कर रहे थे मगर पार्टी ने फिलहाल उनके खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया है। 17 दिसंबर को इस बारे में अजय मिश्र टेनी ने दिल्ली पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त से शिकायत की थी। जिसके बाद सीपी की निगरानी में जांच नार्थ एवेन्यू थाना पुलिस ने जांच शुरू की थी। जिन 5 युवकों को गिरफ्तार किया गया है वे बीपीओ में काम करते हैं।

पुलिस के अनुसार अजय मिश्र टेनी के कर्मचारियों से शिकायत मिली कि उन्हें उस घटना का वीडियो होने और कुछ अन्य सबूत होने के एवज में पैसे के लिए फोन आए हैं। ऐसी शिकायत मिलने के बाद नई दिल्ली जिले में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। दिल्ली पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए पांच लोगों में चार नोएडा के हैं और एक दिल्ली का है। इन्हीं पांचों को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। इनसे पूछताछ की जा रही है।

मणिपुर विस चुनावः महिला रैली में बोले जेपी नड्डा महिलाओं को आगे लाकर खड़ा करती है भाजपा

मणिपुर। मणिपुर में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। सत्ताधारी भाजपा एक बार फिर चुनाव जीतकर वापसी की कोशिशें कर रही हैं। वहीं, विपक्षी दल भी जोरशोर से तैयारियों में जुटे हैं। मणिपुर में भाजपा की नजरें महिला वोट बैंक पर हैं। यही कारण है कि शुक्रवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजधानी इंफाल के सगोलबंध में महिला रैली की। इस रैली के मंच से नड्डा ने महिला वोट बैंक को साधा। नड्डा ने कहा कि मणिपुर में मातृ शक्ति का सामाजिक और आर्थिक योगदान भी बहुत गहरा है। यहां का ईमा मार्केट ऐसा बाजार है, जिसे महिलाओं द्वारा चलाया जाता है। महिला सशक्तिकरण का दूसरा नाम मणिपुर है। कॉमनवेल्थ गेम्स हों या ओलंपिक गेम्स, मणिपुर के खिलाड़ी मेडल्स की झड़ी लगाते हैं। नड्डा ने आगे कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत मणिपुर में 2.60 लाख शौचालय बने हैं। शौचालय निर्माण से महिलाओं को सशक्त किया गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 1.56 लाख रसोई गैस के कनेक्शन दिए गए हैं। इससे बहनों को खाना बनाने में बहुत सुविधा हुई है। पहले महिलाएं पेड़ काटकर लकड़ी इकट्ठा करती थीं उसके बाद घर में आकर चुल्हा जलाती थी उसके बाद भोजन कराती थी। आज इस सुविधा के बाद वह बस लाईटर जलाकर सारे काम कर लेती हैं। उन्होंने कहा, 'हमने ये संकल्प लिया है कि एन बीरेन सिंह के नेतृत्व में आर्गेनिक मणिपुर बनाया जाएगा। मणिपुर में आर्गेनिक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। पूरे देश में मणिपुर आर्गेनिक प्रदेश के रूप में उबरेगा' नड्डा ने आगे कहा कि भाजपा महिलाओं को आगे लाकर खड़ा करती है। भारत की पहली महिला रक्षा मंत्री, पहली महिला शिक्षा मंत्री, पहली महिला विदेश मंत्री और पहली महिला वित्त मंत्री - सभी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नियुक्त किया। इसके अलावा 12 केंद्रीय मंत्री आज महिलाएं हैं।

कपूरथला मॉब लिचिंग मामलाः चन्नी बोले- बेअदबी नहीं हुई, गुरुद्वारे के मुख्य प्रबंधक समेत दो गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने शुक्रवार को चंडीगढ़ के पंजाब भवन में पत्रकारवार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने माना कि कपूरथला में बेअदबी के आरोप में एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। इस मामले में अभी तक इस बात का कोई सबूत नहीं है कि बेअदबी की गई थी। मामले की जांच की जा रही है। प्राथमिकी में संशोधन किया जाएगा। अब हत्या की एफआईआर दर्ज की जाएगी। सीएम के बयान के बाद कपूरथला पुलिस हरकत में आई और गुरुद्वारे के मुख्य प्रबंधक अमरजीत सिंह समेत दो आरोपियों को मामले में गिरफ्तार कर लिया। रविवार को गांव निजामपुर के गुरुद्वारा साहिब में बेअदबी के शक में मारे गए मृतक के पोस्टमार्टम में तेजधार व नुकीले हथियारों से 30 से ज्यादा शार्प कट और मल्टीपल इंजरी के निशान पाए गए हैं। पुलिस ने 72 घंटे शिनाख्त के लिए मोर्चरी में रखने की प्रक्रिया के वीरवार को मृतक के किसी भी परिचित के सामने न आने और फिंगर प्रिंट के जरिये आधर से

मिसमैच होने के चलते नगर निगम को अंतिम संस्कार के लिए शव सौंप दिया। निगम ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया है। जिला पुलिस ने मृतक की शिनाख्त न हो पाने पर वीरवार को सिविल अस्पताल के डा. तुषार वालिया, डा. अमनदीप रियाद, डा. गुरदेव भट्टी, डा. रवजीत सिंह तथा डा. आकाशदीप पर आधारित पांच डाक्टरों के मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया। पोस्टमार्टम के बाद कार्यकारी एसएमओ डा. नरिंदर सिंह ने बताया कि युवक के गले, सिर और हिप(कूल्हे) सहित शरीर पर 30 से ज्यादा शार्प कट के अलावा मल्टीपल इंजरी के निशान पाए गए हैं। साथ ही उसकी छाती पर कोई नुकीली वस्तु घुसाने के निशान भी मिला है। उन्होंने यह भी बताया कि गले के बाईं तरफ तीखे निशान के कारण उसकी श्वास नली भी कटी हुई है। पत्रकारवार्ता के दौरान नशा तस्करी मामले में चन्नी ने कहा कि आम आदमी पार्टी कहती है कि मैं ड्रामा कर रहा हूं। अरविंद केजरीवाल ने कोर्ट में 'माफीनामा' दिया और बिक्रम सिंह मजीठिया से सॉरी बोला और भाग गए। अब उनके 10 विधायकों ने भी उन्हें छोड़ दिया क्योंकि वह इस ड्रग मुद्दे पर स्टैंड नहीं ले सके।

हरभजन सिंह ने लिया संन्यास, भारत के लिए 23 साल में लिए 711 विकेट

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने शुक्रवार (24 दिसंबर) को सोशल मीडिया पर अपने संन्यास का एलान किया। हरभजन ने भारत के लिए 23 साल में 711 विकेट लिए। हरभजन ने संन्यास का एलान करते हुए ट्विटर पर लिखा- सभी अच्छी चीजें खत्म हो जाती हैं और आज जब मैं उस खेल से विदा लेता हूं। इस खेल ने मुझे जीवन में सब कुछ दिया है। मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने इस 23 साल की लंबी यात्रा को सुंदर और यादगार बनाया।

हरभजन दो वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के सदस्य थे। हरभजन 2007 में टी20 और 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के सदस्य थे। हरभजन ने यूट्यूब पर वीडियो जारी कर कहा- जालंधर की तंग गलियों से टीम इंडिया के टर्बनेटर का पिछले 25

साल का सफर बहुत ही खुबसूरत रहा है। जब भी मैं इंडिया की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरा हूं उससे बड़ी प्रेरणा मेरे लिए जिंदगी में कुछ और नहीं है। लेकिन एक मुकाम आता है जब जिंदगी में आपको कड़े फैसले लेने पड़ते हैं और आगे बढ़ना पड़ता है। मैं पिछले कई सालों से एक एलान करना चाह रहा था और उस चीज का मैं इंतजार कर रहा था कि कब मैं उस पल को आपके साथ शेयर करूं। मैं आज क्रिकेट के हर फॉर्मेट से संन्यास ले रहा हूं। मैं जहनी तौर पर पहले ही संन्यास ले चुका था, वैसे भी मैं लंबे समय से ज्यादा क्रिकेट नहीं खेल रहा था।

अगर बरगाड़ी कांड के दोषियों को सजा मिलती तो नहीं होती बेअदबी की घटनाएं : केजरीवाल

गुरदासपुर। आम आदमी पार्टी के प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा यदि 2015 में हुई बेअदबी घटनाओं के दोषियों को सजा मिलती तो बेअदबी की घटनाएं दोबारा नहीं होती। पंजाब की सरकारें दोषियों के साथ खड़ी हैं। इससे साबित होता है कि सभी आपस में मिले हुए हैं। अरविंद केजरीवाल ने हनुमान चौक में आम आदमी पार्टी के गुरदासपुर से उम्मीदवार रमन बहल के हक में आयोजित चुनावी रैली में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला गुरदासपुर और पठानकोट में सबसे अधिक लोग सेना में भर्ती होते हैं और इन्हीं दोनों जिलों से सबसे अधिक जवान शहीद हुए हैं। यह देशभक्तों की धरती है। आम आदमी पार्टी पंजाब में शांति, सुरक्षा और भाईचारे को बढ़ावा देगी। इसके लिए पांच प्वाइंट पर काम किया जाएगा।

पंजाब में शांति, सुरक्षा और भाईचारे के लिए रखे 5 प्वाइंट– केजरीवाल ने कहा कि नंबर एक पर पुलिस भर्ती के दौरान भ्रष्टाचार को खत्म किया जाएगा और बिना पैसे लिए व राजनीतिक सिफारिश के अच्छे पुलिस अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। पुलिस के काम में विधायक या अन्य राजनीतिक लोगों का दखल नहीं होगा। इस काम के लिए उनके पास पूर्व आईजी कुंवर विजय प्रताप सिंह जैसे ईमानदार लोग है। नंबर दो पर पुराने सभी बेअदबी और बम ब्लास्ट

मामलो की समयबद्ध जांच करवाई जाएगी और मास्टरमाइंड को जेल भेजा जाएगा ताकि दोबारा कोई ऐसी हरकत करने की सोचे भी ना। तीसरे नंबर पर भारत-पाक सीमा का एक-एक ईंच सुरक्षित किया जाएगा ताकि पाकिस्तान से एक ग्राम भी हेरोइन या तस्कर भारत में घुसपैठ ना कर सके। चौथे नंबर पर पाकिस्तान की ओर से भारत में भेजे जा रहे ड्रोन रोकने के लिए आधुनिक तकनीक मुहैया करवाई जाएगी ताकि उन ड्रोनों को तुरंत नष्ट किया जा सके। पांचवें नंबर पर पंजाब के सभी मंदिर,मस्जिद, गुरुद्वारे व धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए अलग से फोर्स बनाई जाएगी। केजरीवाल ने कहा कि लुधियाना बम ब्लास्ट बहुत दुखदायी घटना है। आम आदमी पार्टी के पंजाब प्रधान भगवंत मान आज उनके पास पहुंचे हैं। इसी तरह दरबार साहिब अमृतसर में बेअदबी का प्रयास किया गया, जिससे साबित होता है कि कुछ लोग हैं जो पंजाब का माहौल खराब करना चाहते हैं। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में इस समय कमजोर सरकार काम कर रही है। सभी नेता, मंत्री और विधायक एक दूसरे के खिलाफ बोल रहे हैं। कांग्रेस पार्टी सर्कस बन गई है। पंजाब को इस समय सख्त व ईमानदार सरकार की जरुरत है जो केवल आम आदमी पार्टी ही दे सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने चुनाव से पहले गुटका साहिब की कसम खाकर पंजाब को नशा मुक्त करने की बात की थी, लेकिन पांच साल में भी नशा नहीं खत्म कर पाए।

गुजरातः दवा कंपनी में ब्वायलर फटने से 4 की मौत, दर्जनभर बुरी तरह जख्मी

वडोदरा। गुजरात में वडोदरा के मकरपुरा औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार को एक दवा निमार्ता कंपनी के प्लांट में ब्वायलर फट जाने से एक महिला और बच्ची समेत कम से कम चार कामगारों की मौत हो गई और दर्जनभर से अधिक अन्य घायल हो गए। मृतकों में एक 65 साल का बुजुर्ग,

एक नाबालिग, 30 साल की एक महिला और 4 साल की बच्ची शामिल है। पुलिस ने बताया कि मकरपुरा जीआइडीसी स्थित दवा कंपनी केंटन लेबोरेटरिज के ब्वायलर में आज सुबह अचानक विस्फोट के बाद आग लग गई। विस्फोट इतना प्रचंड था कि इसके असर से आसपास करीब आधा से एक किलोमीटर क्षेत्र में इमारतों के कांच टूट गए। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंच कर आग को काबू में किया। ब्वायलर के निकट ही कामगारों ने रहने के लिए घर बना लिया था। इस हादसे में मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका जताई गई है। घायलों और मृतकों में बच्चे भी शामिल बताए गए हैं। मकरपुरा पुलिस थाने के इंस्पेक्टर साजिद बलोच ने कहा, "इलाके में 9:30 पर एक जोरदार धमाका हुआ। 15 लोग घायल थे, जिन्हें पास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। इनमें से 4 को मृत लाया घोषित किया गया, जबकि अन्य का इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि घटना में मारे गए और घायलों में यहां काम करने वाले कर्मचारी और उस समय वहां से गुजर रहे लोग शामिल हैं। बलोच ने कहा कि फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची है और जांच में जुटी है। गौरतलब है कि मध्य गुजरात के पंचमहाल जिले में एक केमिकल कंपनी में हाल में हुई ऐसी ही एक घटना में 7 लोगों की मौत हो गई थी।

चिंतन मनन

रावत की नाराजगी

कांग्रेस में नेताओं के बीच आपसी मनमुटाव की प्रक्रिया बढ़ती जा रही है। एक के बाद एक राज्य और फिर तीसरे राज्य में पार्टी नेताओं के बीच मतभेद की खबरें लगातार सामने आ रही हैं, जो आलाकमान के लिए मुसीबत का सबब बन गई हैं। खासकर चुनावी राज्यों पंजाब और उत्तराखंड में विरोध के स्वर बढ़ रहे हैं। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस नेता सचिन पायलट के बीच तकरार है। पंजाब में मुख्यमंत्री चन्नी और प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के बीच तकरार चल रही है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और टीएस सिंह देव के बीच मतभेद हैं। महाराष्ट्र में विधायक जीशान सिद्दीकी ने राज्य के पार्टी प्रमुख भाई जगताप के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अब उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत जल्द ही पार्टी को अलविदा कह सकते हैं। इसके संकेत हरीश रावत की तरफ से बुधवार को सोशल मीडिया पर अपलोड की गई दो पोस्ट से मिले हैं, जिनमें उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस आलाकमान के रवैये पर सवाल खड़े करते हुए साथ छोड़ने का इशारा किया है। उत्तराखंड में साल 2022 में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में हरीश रावत के इस बयान के सियासी मायने बढ़ गए हैं। उधर, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और अब कांग्रेस के बागी हो चुके कैप्टन अमरिंदर सिंह ने रावत पर तीखा तंज कसा है। पंजाब में कांग्रेस छोड़ने के लिए अमरिंदर रावत को बहुत हद तक जिम्मेदार मानते हैं। उन्होंने रावत से जुड़ी सोशल मीडिया पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा- जो बोओगे, वही काटोगे। हरीश रावत को गांधी परिवार का बेहद करीबी माना जाता है, लेकिन उन्होंने सोशल मीडिया पर बिना नाम लिए गांधी परिवार ही निशाना साधकर चौंका दिया है। रावत ने सोशल मीडिया पर लिखा- है न अजीब सी बात, चुनाव रूपी समुद्र में तैरना है, सहयोग के लिए संगठन का ढांचा अधिकांश स्थानों पर सहयोग का हाथ आगे बढ़ाने के बजाय या तो मुंह फेर कर खड़ा हो जा रहा है या नकारात्मक भूमिका निभा रहा है। जिस समुद्र में तैरना है, सत्ता ने वहां कई मगरमच्छ छोड़ रखे हैं। जिनके आदेश पर तैरना है, उनके नुमाइंदे मेरे हाथ-पांव बांध रहे हैं। मन में बहुत बार विचार आ रहा है कि हरीश रावत अब बहुत हो गया, बहुत तैर लिए, अब विश्राम का समय है! 2019 लोकसभा चुनाव के बाद से ही कांग्रेस पार्टी अपने वरिष्ठ नेताओं के बगावती तेवरों से परेशान रही है। हरीश रावत से पहले मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पार्टी से नाराज होकर भाजपा का दामन थाम लिया। वहीं, राजस्थान में सचिन पायलट में भी बगावती तेवर दिखाए थे। हालांकि, उन्हें मना लिया गया, ऐसा दावा किया जा रहा है। इसके बाद कांग्रेस के चोटी के 23 नेताओं ने जी-23 नाम से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी नेतृत्व पर हमला बोला था। हाल ही में कांग्रेस को बड़ा झटका तब लगा था, जब पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने पार्टी का साथ छोड़कर अपनी खुद की नई पार्टी बना ली। कांग्रेस के भीतर नेताओं के अर्श से फर्श पर आने की गति कितनी तेज है, इसका सबूत कैप्टन अमरिंदर सिंह के बाद अपनी हताशा जाहिर करने वाले हरीश रावत दे सकते हैं। दरअसल, उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत का दर्द सोशल मीडिया पर छलक आया है। वैसे, हरीश रावत का ये गुस्सा कांग्रेस आलाकमान से लेकर उत्तराखंड कांग्रेस इकाई तक के खिलाफ नजर आ रहा है। अभी कुछ दिन पहले की ही तो बात है, जब पंजाब कांग्रेस में लगी आग को बुझाने के लिए कांग्रेस नेतृत्व के कहने पर हरीश रावत को भेजा गया था। उन्होंने आग तो क्या ही बुझाई, कैप्टन अमरिंदर सिंह के खिलाफ पंजाब कांग्रेस के लोगों को जमा करवाया और कैप्टन को कांग्रेस से बाहर का दरवाजा दिखा दिया था, लेकिन, अब वक्त ने करवट ली है। जिन हरीश रावत ने कैप्टन अमरिंदर सिंह की सियासी राह में कांटे बो दिए थे वो हरीश रावत अब अपने ही घर यानी उत्तराखंड में हताश हैं। हताशा कांग्रेस के ही संगठन को लेकर है। कहा जा रहा है कि हाल ही में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तराखंड के देहरादून में एक रैली की थी। इस रैली से हरीश रावत के पोस्टर गायब थे। चुनाव प्रचार समिति के अध्यक्ष हरीश रावत को यह बात शायद नागवार गुजरी क्योंकि, माना जा रहा था कि कांग्रेस आलाकमान ने हरीश रावत को चुनाव प्रचार समिति का अध्यक्ष बनाकर उत्तराखंड में मुख्यमंत्री के चेहरे के तौर पर उनको ही आगे किया है लेकिन, देहरादून की रैली में पोस्टर से गायब रहने की वजह से हरीश रावत का गुस्सा भड़क गया है।

भरा नहीं अभी घाव!

जान अपनी प्यारी ।
प्यारा नहीं चुनाव ।।
इत्मीनान से काम लो ।
भरा नहीं अभी घाव ।।
बोल रहा कोर्ट भी ।
होगा देना ध्यान ।।
ना करना खिलवाड़ फिर ।
नहीं है सस्ती जान ।।
लड़ लेना चुनाव ।
करो अभी उपकार ।।
रहकर कुछ दिन शांत ।
दे दो ये उपहार ।।
हुई आवाज तेज ।
होगा यही उपाय ।।
फैले ना अब रोग ।
हो जाएगा न्याय ।।

–कृष्णेन्द्र राय

स्वाधीनता और शिक्षा के अग्रदूत थे पं. मदन मोहन मालवीय!

जिनकी सोच और कर्मशीलता में राष्ट्रभक्ति, समाज उत्थान तथा कुछ कर गुजरने का जज्बा समाहित रहा है,ऐसे शिक्षाविद् पं. मदन मोहन मालवीय की गिनती उन स्वाधीनता सेनानियों, उन शिक्षा विदों और उन पत्रकारिता के पुरोधाओं में होती है जिनपर आज भी देश गौरव करता है। 25 दिसम्बर 1861 ई. को लालडिंग के कूंचा सावल-दास मोहल्ले में बृजनाथ के घर संध्या को 6 बजकर 54 मिनट पर प्रयाग में जन्मे मालवीय जी की माता का नाम भूना देवी था। उनके पिता पं. बृजनाथ थे। तब कोई नही जानता था कि यह बालक एक दिन देश की स्वतन्त्रता और आत्मनिर्भरता के लिए सिंह गर्जना करेगा। बचपन से ही इनके माता-पिता को ऐसा प्रतीत होता था कि भविष्य में यह बालक बहुत ही होनहार होगा। एक कहावत भी चरितार्थ है कि "होनहार बिखान के होत चिकने पात" मालवीय जी ने इस कहावत को अपने जीवन में चरितार्थ किया था। पाँच वर्ष की आयु से ही उनकी शिक्षा आरम्भ हुई थी। उस समय प्रयाग में अहिपापुर मोहल्ले में कोई पाठशाला न थी। लाला मनोहर दास रईस की कोठी के चबूतरे पर, जो तीन सवा तीन फीट चैड़ा और दस पन्द्रह फीट लम्बा था, उसी पर टाट बिछा कर एक गुरु जी लड़कों को पढ़ाया करते थे। उन्हें वहां से हरदेव जी की पाठशाला जिसका नाम धर्मोपदेश पाठशाला था। जहाँ से स्थायी रूप से मदन मोहन मालवीय जी ने अपना विद्याध्ययन शुरू किया था। मदन मोहन मालवीय जी ने संस्कृत काव्य, गीता एवं अन्य धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन किया था। इनमें से मालवीय जी को संस्कृत काव्य ने अधिक प्रभावित किया था।

पंडित मदन मोहन मालवीय का एक सामाजिक-राजनीतिक सुधारक के रूप में ऐसे समय उदय हुआ जब पूरा देश विकट परिस्थितियों में गुजर रहा था। युगपुरुष महामना मदनमोहन मालवीय का जीवन अत्यंत उतार-चढ़ाव भरा रहा। गरीबी झेलते हुए उन्होंने न सिर्फ ज्ञानार्जन किया, बल्कि स्वयं को शिखर पर पहुंचाया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कवि, शिक्षक, पत्रकार, वकील के रूप में ऐसी अमिट छाप छोड़ी, कि हर कोई आज भी उससे प्रेरणा ले रहा है। 15वीं सदी में वे उत्तर प्रदेश चले आए। मालवा का होने के कारण वे लोग मल्लई

कहलाते थे, जो बाद में मालवीय हो गया। मालवीय जी की आरंभिक शिक्षा इलाहाबाद में पूरी हुई। उन्होंने मकरंद के नाम से 15 वर्ष की आयु में कविता लिखना आरंभ कर दिया था और सोलह सत्तरह वर्ष की आयु में उन्होंने एंट्रेंस की परीक्षा पास की। ऐंट्रस पास करने के बाद मालवीय जी म्योर सेंट्रल कालेज में पढ़ने लगे। परिवार के लिए कालेज की पढ़ाई का आर्थिक बोझ वहन करना कठिन था, पर माता ने कठिनाई सहकर, अपने जेवर गिरवी रखकर अपने बच्चे को पढ़ाने का निश्चय किया। प्रिंसीपल हैरिसन ने उन्हें एक मासिक वजीफा दिया। फिर भी मदनमोहन मालवीय को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। चाहे मालवीय जी के शिक्षा क्षेत्र में कितनी भी कठिनाई क्यों न आई हो, उन्होंने बैरिस्टर तक की शिक्षा ग्रहण की। विनोदः कालेज में एक बार आर्यनाटक मण्डली की ओर से 'शकुंतला' नाटक का अभिनय हुआ, इसमें मदन मोहन मालवीय को शकुन्तला का पार्ट दिया गया। परदा उठने पर प्रियम्वदा और अनुसूया सखियों के साथ शकुन्तला हाथ में घड़ा लिए रंगमंच पर आयी, तब दर्शक दंग रह गये।

मालवीय जी का विवाह 16 वर्ष की आयु में उनके चाचा पंडित गजाधर प्रसाद के माध्यम से मिजार्पुर के पंडित नन्दलाल की कन्या कुनन देवी से हुआ। वे माता-पिता के दुलार में पली थी। लड़कपन में उन्हें किसी प्रकार के कष्ट का अनुभव नहीं था। ससुराल की आर्थिक दशा ने उन्हें बड़े धैर्य और साहस से निर्धनता के कष्ट सहन करने को बाध्य किया। उन्हें आधा पेट खा कर संतोष करना पड़ता था। फटी धोतियों सी कर पहननी पड़ती थी। वर्ष 1868 में उन्होंने प्रयाग सरकारी हाई स्कूल से मैट्रिक परीक्षा पास की। इसके उपरान्त उन्होंने मायर सेंट्रल कालेज में प्रवेश लिया। कालेज में पढ़ाई करते हुए वर्ष 1880 में उन्होंने अपने गुरु पं॰ आदित्यराम भट्टाचार्य के नेतृत्व में हिंदू समाज नामक सामाजिक सेवा संघ स्थापित किया। वे स्कूल के साथ-साथ कालेज में भी कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते रहे। उन्होंने लिखा है, "मैं एक गरीब ब्राह्मण कुल में पैदा हुआ। इसलिए पढ़ाई का खर्च पूरा करने के लिए एक सेठ के छोटे बच्चे को पढ़ाने जाता था। धार्मिक भावों के प्रति मेरा रुझान बचपन से था। स्कूल जाने के पहले मैं रोज हनुमान जी के दर्शन करने जाता था।" वे भारतीय विद्यार्थी के मार्ग में आने वाली भावी मुसीबतों को जानते थे। उनका कहना था, "छात्रों की सबसे बड़ी कठिनता यह है कि शिक्षा का माध्यम हमारी मातृभाषा न होकर एक विदेशी भाषा है। सभ्य संसार के किसी भी अन्य भूभाग में उन समुदाय की शिक्षा का माध्यम विदेशी भाषा नहीं है।"

भारतीय स्वातंत्रय आन्दोलन के इतिहास में महामना का व्यक्तित्व स्वतः साक्ष्य रूप में प्रत्येक आन्दोलन से संबंधित रहा है चाहे राष्ट्रभाषा हिन्दी का प्रश्न रहा हो अथवा अछूतोद्धार या दलित वर्ग की समस्या रही हो या हिन्दू-मुस्लिम एकता की। चाहे औद्योगिक, आर्थिक अथवा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का विषय रहा हो या राष्ट्रीय शिक्षा के उन्नयन का अथवा विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का। इन सभी क्षेत्रों में महामना एक सच्चे सिपाही की भाँति अग्रणी रहे हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय महापुरुष और श्रेष्ठ आत्मा थे। उन्होंने समर्पित जीवन व्यतीत किया तथा धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक आदि बहुत से क्षेत्रों में अपने लोगों की उत्कृष्ट सेवाएं की। धमकियों से निडर और प्रलोभनों से अनाकृर्षित उन्होंने अन्याय और क्रूरताओं से संघर्ष किया तथा साहस और दृढ़तापूर्वक अपने उद्देश्य की नैतिकता पर दृढ़विश्वास के साथ अपने देशवासियों के सामूहिक हित और उत्कर्ष के लिए 50 वर्ष से अधिक काम किया निःसंदेह उनका व्यक्तित्व उनकी महान् उपलब्धियों से कहीं अधिक प्रतिष्ठित था। मदनमोहन मालवीय का पूरा जीवन भले ही गरीबी में बीता हो लेकिन उन्होंने कभी भी अपने मन में हीन भावना नहीं आने दी और सदा राजा कर्ण जैसी दानवीर होने की सोच रखी। अपने आप में यह बहुत बड़ी बात है कि अगर किसी के पास धन हो तो वह दान कर सकता है। उसमें कोई बड़ी बात नहीं लेकिन जो आदमी अपने परिवार को तीनों समय का भोजन भी पूर्णरूपेण न दे सके और वह आदमी फिर भी दानवीर की सोच रखता हो, यह सबसे बड़ी बात है। मालवीय जी ने चाहे विद्या का दान हो, चाहे किसी गरीब आदमी की मदद की बात हो, समाज उत्थान की बात हो, समाज की कुरीतियों की बात हो, किसी भी क्षेत्र में वे पीछे नहीं हटे। महात्मा गाँधी का महामना के लिए बहुत आदर था और मदनमोहन का हृदय से सम्मान करते थे वह उनकी कोई बात नहीं टालते थे। उन्होंने ही मदनमोहन मालवीय को 'महामना' की उपाधि दी।। उन्होंने महामना के लिए लिखा- 'जब मैं अपने देश में कर्म करने के लिए आया तो पहले लोकमान्य तिलक के पास गया। वे मुझे हिमालय से ऊँचे लगे। मैंने सोचा हिमालय पर चढ़ना मेरे लिए संभव नहीं और मैं लौट आया। फिर मैं गोखले के पास गया। वे मुझे सागर के समान गंभीर लगे। मैंने देखा कि मेरे लिए इतने गहराई में बैठना संभव नहीं और मैं लौट आया। अंत में मैं महामना मालवीय के पास गया। मुझे वे गंगा की धारा के समान पारदर्शी निर्मल लगे। मदन मोहन मालवीय अहिंसा के प्रबल समर्थक महात्मा गांधी के श्रद्धा पात्र एवं नियम विधान के पाबंद थे। मालवीय जी उन चंद महापुरुषों में से थे, जिनके गांधी जी चरणस्पर्श करते थे। दोनों ही अपने सिद्धांतों पर अटल रहा करते थे और कभी-कभी इसके चलते उनमें वैचारिक मतभेद भी उत्पन्न हो जाते थे।

सुशासन के प्रबल पैरोकार अटल बिहारी वाजपेयी

आधुनिक वैश्विक संदर्भ में सुशासन का अर्थ मात्र अच्छे शासन से ही नहीं वरन् अविलंब निर्णय लेने, लिये गये निर्णयों को सार्थक ढंग से लागू करने और उन्हें कार्य रूपमें परिणित करने की प्रक्रिया तथा उससे संबध्द समग्र तंत्र के कार्य निष्पादन से है। निःसंदेह सुशासन का विकास से अभिन्न संबंध है। सुशासन के बिना विकास की अवधारणा को साकार करना संभव नहीं है। इसलिये भारतीय राजनीति के अजातशत्रु भारतरत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस 25 दिसम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्रमोदी ने 2014 में सुशासन की महत्ता को रेखांकित करते हुए सुशासन दिवसके रूप में मनाये जाने की घोषणा करतेहुए कहा कि सुशासन किसी भी राष्ट्र की प्रगति की कुंजी है।

भारत की सांस्कृतिक चेतना का मूल स्वरूप प्रारंभ से ही परोपकार और लोककल्याण की निर्मल भावनाओं से ओत-प्रोत रहा है। आचार्य कौटिल्य ने अपनी प्रख्यात पुस्तक अर्थशास्त्र में सुशासन के उदत्त स्वरूप को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रजा का हित ही राजा का चरम लक्ष्य है। प्रजा के सुख में ही राजा का सुख निहित है, प्रजा के हित में उसका हित है। महात्मा गांधी ने मेरे सपनों का भारत में जिस रामराज्य की परिकल्पना की थी उसमें सुशासन ही सुराज के रूप में अवतरित हुआ है। वहीं लोकमान्य तिलक के शब्दों में देश में स्वराज्य ही नहीं सुराज भी आना चाहिये। सामाजिक परिवर्तन के अग्रदूत डॉ. अम्बेडकर की सामाजिक, आर्थिक न्याय की अवधारणा मानवाधिकारों की सुरक्षा की गांरटी के बिना कैसे सुशासन की परिकल्पना को साकार कर सकती है? एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय का समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति के मंगल का सपना भी सुशासन की अवधारणा में ही निहित है। इन सब पर यदि कोई पूरी तरह से खरा उतरा तो वह थे सुशासन के पुजारी अटल जी। आप सुशासन की एक ऐसी विकासोन्नमुख व्यवस्था के पक्षधर थे जिससे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उन्नयन के प्रति प्रतिबध्द, समर्पित होकर राष्ट्र की उन्नति में आम आदमी भी अपनी भागीदारी की अनुभूति का सुखद अहसास कर सके।

भारतीय संस्कृति के मूल्यों के उन्नायक, उजार्वान समझ एवं सकारात्मक चिन्तन के धनी, महान राजनीतिज्ञ, प्रखर प्रेरक, ओजस्वी वक्ता, कुशल पत्रकार, दक्ष सम्पादक, साहित्यकार, संवेदनशील कवि, विपक्षियों एवं आलोचकों के मध्य प्रशंसित, भारतीय संसद के नौ बार सदस्य, दो बारराज्य सभा सदस्य एवं तीन बार भारत के प्रधानमंत्री के पद को गौरवान्ति करने वाले अद्भूत व्यक्ति थे जिन्होनें अपनी आभा से न केवल भारत की प्रतिष्ठा एवं गौरव में श्रीवृध्दि की वरन् राष्ट्र को सुशासन का अनूठा सम्बल प्रदत्त कर राष्ट्र के विकास को एक नई गति, नई दिशा, नई उर्जा और लय प्रदान की।

अटलजी का समग्र जीवन राष्ट्र की सेवा के लिये समर्पित रहा। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही भारतीय जनसंघ से जुडकर भारत की राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय हुए। पहली बार 1996 में केवल 13 दिनों, दूसरी बार 1998-99 में 13, तीसरी बार 1999 से 2004 तक के कार्यकाल में देश के प्रधानमंत्री के रूप में अपनी सेवा का संकल्प पूर्ण किया। अटल जी लीक से हटकर एक ऐसा व्यक्तित्व थे जो अद्भुत राजनितिज्ञ के साथ, वैयक्तिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति का साधक न होकर राष्ट्र आराधन और राष्ट्र निर्माण में जीवन का प्रत्येक क्षण समर्पित करने का साध्य थे।

अटलजी ने राजनीति में नैतिक मूल्यों, आदर्शो की पवित्रता को अक्षुण्ण रखते हुए सुशासन की बुनियाद रखी ताकि जवाबदेह, उत्तरदायी, पारदर्शी, प्रभावशाली, न्याय संगत, कुशल एवं समावेशी शासन व्यवस्था को साकार किया जा सके। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना में जिन गणतांत्रिक मूल्यों आदर्शो, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता,सामजिक, आर्थिक न्याय और व्यक्ति की गरिमा के सम्मान का जो उच्च आदर्श अवसर की समानताके साथ संयोजित कर प्रतिपादित किया है, वह सुशासन के स्पर्श से यथार्थ के धरातल पर साकार हो सकता है।

प्रधानमंत्री के रूप में अटल जी का सम्पूर्ण कार्यकाल आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से लोकतंत्र को सार्थक और जीवंत बनाये रखने के लिये प्रतिबध्द था। 07 सितम्बर 2000 को न्यूयार्क में एशिया सोसाईटी में दिये अपने प्रेरक भाषण में सुशासन के बुनियादी विचार को इस प्रकार रखा कि व्यक्ति के सशक्तिकरण का अर्थ राष्ट्र का सशक्तिकरण और इस तीव्र सामाजिक बदलाव के साथ तेज आर्थिक विकास किया जा सकता है।

महर्षि अध्यात्म विश्वविद्यालय का हिन्दी प्रसिद्धीपत्रक

महर्षि अध्यात्म विश्वविद्यालय की ओर से प्राचीन वैज्ञानिक ज्ञान विषय पर शोधनिबंध प्रस्तुत !
सनातन धर्म के तत्त्व एवं परंपराएं विश्व में अध्यात्मिक स्तर पर सकारात्मकता बढाने में सहायता कर सकती हैं !

अनेक शतकों से भारत वेद, उपनिषद एवं श्रीमद्भगवद्गीता जैसे धर्मग्रंथों से ही नहीं, तो वैज्ञानिक विचारों द्वारा विश्व को प्रदान किए गए समृद्ध ज्ञान के लिए जाना जाता है । गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत, शून्य की संकल्पना तथा प्रकाश की गति का मापन आदि संकल्पनाएं प्राचीन भारतीय ज्ञान की देन है, ऐसा प्रतिपादन महर्षि अध्यात्म विश्वविद्यालय के श्री. शॉन क्लार्क ने किया । वे भारतीय प्रबंध संस्थान कोझिकोड केरल द्वारा आयोजित द इंटरनॅशनल कॉनक्लेव्ह ऑन ग्लोबलायझिंग इंडियन थॉट 2021 इस कार्यक्रम में ऑनलाइन प्रस्तुति करते समय बोल रहे थे । श्री. क्लार्क ने प्राचीन वैज्ञानिक ज्ञान की आधुनिक युग के लिए उपयुक्तता यह शोधनिबंध प्रस्तुत किया । महर्षि अध्यात्म विश्वविद्यालय के संस्थापक परात्पर गुरु डॉ. आठवलेजी इस शोधनिबंध के लेखक तथा श्री. शॉन क्लार्क सहलेखक हैं । श्री. क्लार्क ने युनिव्हर्सल ऑरा स्कॅनर (यू.ए.एस.) इस प्रभामंडल मापक उपकरण का उपयोग कर किए कुछ परिक्षणों की जानकारी दी । एक परीक्षण में एक महिला के विविध प्रकार के वस्त्र परिधान करने पर यू.ए.एस. इस उपकरण से उसके प्रभामंडल का मापन किया गया

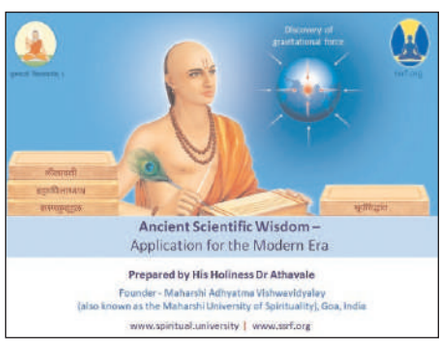

। सभी कपडों में नौ गज की एवं आणि छः गज की सारी पहनने पर महिला की सकारात्मक ऊर्जा सर्वाधिक बढी थी, तो अन्य कपडों में नकारात्मक ऊर्जा थी । सफेद शर्ट-पैंट एवं काला शर्ट-पैंट परिधान की हुई महिला के परीक्षण में ऐसा दिखाई दिया कि सफेद कपडों की तुलना में, काले कपडों का उस पर बहुत अधिक मात्रा में नकारात्मक परिणाम हुआ है । उसी प्रकार, विश्व में सर्वाधिक प्रयोग की जानेवाली 19 भाषाओं के संदर्भ में किए तुलनात्मक अध्ययन में संस्कृत भाषा एवं देवनागरी लिपी में सर्वाधिक सकारात्मक स्पंदन पाए गए । 34 देशों की मिट्टी एवं पानी के नमुनों का तुलनात्मक अध्ययन करने पर, केवल भारत के नमुनों में आध्यात्मिक स्तर की सकारात्मक ऊर्जा है, ऐसा दिखाई दिया । भारतीय शास्त्रीय संगीत के राग उच्च रक्तचाप एवं डाइबीटीज न्यून करने हेतु, तथा रोगी का सकारात्मक ऊर्जा का प्रभामंडल बढाने हेतु उपयोगी है । संक्षेप में, भारतीय पारंपरिक आचार, तत्त्व, परंपरा एवं आधुनिक आचारों का तुलनात्मक अध्ययन करनेपर भारतीय परंपरा विश्व कें आध्यात्मिक स्तर पर अधिक सकारात्मकता निर्माण करती हैं और उसके द्वारा व्यक्ति एवं वातावरण पर सकारात्मक प्रभाव होता है, तो आधुनिक आचारों के कारण आध्यात्मिक स्तर पर नकारात्मकता बढती है ।

प्रजातंत्र के चौथे स्तंभ की स्वतंत्रता यक्ष प्रश्न बना...!

पत्रकारिता या मीडिया को प्रजातांत्रिक शासन प्रणाली में चौथा स्तंभ माना गया है। प्रजातंत्र में संवैधानिक व्यवस्था में तीन स्तंभ होते है विधायिका, कार्यपालिका और न्याय पालिका। इन तीन स्तंभों से भी बढ़कर चौथे स्तंभ निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता का माना गया है। निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता जिसे हम गर्व से प्रजातंत्र का चौथा स्तभं कहकर सम्मान करते है। उस चौथे स्तंभ को आज किस स्थिति से गुजरना पड़ रहा है

किन किन गंभीर चुनौतियों से गुजरना पड़ रहा है यह हमारे चिंतन का विषय है। देश 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों की सदियों की गुलामों की जंजीरों से आजाद हुआ। 26 जनवरी 1950 को संविधान के अनुरूप लोक तांत्रिक शासन प्रणाली को लागू किया गया। उस समय देश के कर्णधारों ने जोर शोर से कहा प्रजातंत्र का चौथा स्तंभ निष्पक्ष पत्रकारिता है जो समय समय पर अपनी कलम से अन्याय और अत्याचार को उजागर करेगा। जब देश आजाद हुआ पत्रकारिता का एक मात्र माध्यम समाचार पत्र थे। समाचार पत्रों का प्रकाशन देश के नामी औद्योगिक घरानों ने कर सबसे पहले निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता का गला घौंटा।

समाचार पत्र के मालिक के ही इसारे पर चलना संपादक एवं पत्रकार की मजबूरी है। जो पत्रकार जिस समाचार पत्र के लिये काम करता है वह अखबार मालिक की इच्छा के विरूद्ध अपनी लेखनी नही चला सकता। अगर इच्छा के विरुध्द कभी लिख दिया तो उस पत्रकार की उसी दिन छुट्टी कर दी जाती है। आज मीडिया के तीन माध्यम है। सबसे पहले समाचार पत्र ही एक मात्र माध्यम थे। पिछले लगभग 25- 30 वर्ष से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अर्थात टी वी चेनलों ने प्रवेश किया है। इन मीडिया के दो माध्यम के अलावा पिछले लगभग 10 -15 वर्ष से सोशल मीडिया भी जोर शोर से सक्रिय हुआ है। आज हम देखते है देश की आजादी के 74 वर्ष बाद भी देश में स्वतंत्र एवम् निष्पक्ष पत्रकारिता का गला घोंटा जा रहा है।पहले निष्पक्ष पत्रकारिता समाचार पत्रों के मालिकों के हस्तक्षेप से प्रभावित थी। वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने पूरी तरह से पैर पसार लिये हैं। टी व्ही चैनलों के मालिकों ने निष्पक्ष पत्रकारिता का गला घौंट दिया है। चैनल बाले जिसे चाहते हैं वही समाचार निरंतर प्रसारित होता है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर गोदी मीडिया या बिकाऊ मीडिया आदि अनेक आरोप लग रहे हैं। हम जिसे प्रजातंत्र का चौथा स्तंभ कहते है वह भारतीय मीडिया आज उधोगपतियों एवम् बड़े बड़े अखबार मालिकों, चैनल मालिकों के यहाँ गिरबी रखा है। मालिक की

इच्छा अनुरूप पत्रकार को अपनी लेखनी चलानी पड़ती है या चैनल पर बोलना पड़ता है। जब पत्रकार अपनी कलम को स्वतंत्र रूप से नही चला सकता तो यह कहना वेमानी है कि भारतीय मीडिया स्वतंत्र और निष्पक्ष है। अखबार में या टी व्ही चैनल पर काम कर रहे पत्रकार को कदम कदम पर यह भय रहता है कि कब मालिक नाराज हो जाये और घर का रास्ता दिखा दे। म. प्र. में मात्र दो या तीन समाचार पत्र है जिन्होंने ने अपने यहाँ काम करने बाले पत्रकारों को वेतनमान से वेतन एवं सुविधाएं देना प्रारंभ किया है। देश के नेता एवं अधिकारी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता में सबसे बड़ी बाधा है। अपने स्वार्थों की रक्षा के लिये ये पत्रकारों का अपने अनुसार उपयोग कर रहे है। जिला स्तर पर अधिकारी गण पत्रकारों में फूट डालकर दो गुट करा देते है। निडर एवं निष्पक्ष रिपोर्टिंग करने बाले पत्रकारों को तरह तरह से प्रताड़ित किया जाता है.उन्हे धमकियाँ दी जाती है गुण्डों से पिटवाया जाता है। वकील के माध्यम से मोटी राशि का मानहानि नोटिस भेजा जाता है। पत्रकारों पर ब्लैक मेलिंग के गंभीर आरोप लगाकर उनका चरित्र हनन किया जाता है। हम यह नही कह रहे कि सभी पत्रकार या मीडिया से जुड़े व्यक्ति राजा हरिश्चंद्र के वंशज है। हम मानते है कि इस जाति में भी कुछ पथ भृष्ट तत्व हो सकते है मगर उन पथ भृष्ट गिने चुने लोगों से पूरे समाचार जगत को एक ही चश्मे से देखना अन्याय होगा। यह भी सर्वमान्य सत्य है मीडिया से जुड़े हमारे साथियों को पथ भृष्ट करने में राजनेताओं और अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रजातंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया की स्वतंत्रता आज चुनौतीपूर्ण कठिन कार्य है। निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता आज जोखिम से भरा कठिन कार्य है। गत दिनों एक प्रकरण आया है जिसमें न्याय के लिए देश के ख्याति प्राप्त पत्रकार ने भारत की सर्वोच्च न्यायालय में शरण ली वरिष्ठ पत्रकार विनोद दुआ जिन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। पत्रकार दुआ के विरुद्ध राजद्रोह का मामला सर्वोच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया है।सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश में कहा है वर्ष 1962 का आदेश हर पत्रकार को ऐसे आरोप से संरक्षण प्रदान करता है। स्मरणीय है कि एक भाजपा नेता की शिकायत के आधार पर विनोद दुआ पर दिल्ली दंगा पर केंद्रित उनके शो को लेकर हिमाचल प्रदेश में राजद्रोह का आरोप लगाया गया था।एक एफ आई आर में उन पर फर्जी खबरें फैलाने, लोगों को भड़काने, मान हानिकारक सामग्री प्रकाशित करने जैसे आरोप लगाए थे। इस प्रकरण से हम अंदाज लगाने मजबूर हैं कि देश के चौथे स्तंभ का अस्तित्व खतरे में है जो सत्य को उजागर करने साहस करता है उसकी कलम तोड़ने कुचलने के सुनियोजित प्रयास हो रहे हैं विचारणीय बिंदु है यह है कि देश के जाने-माने लोकप्रिय पत्रकार विनोद दुआ अपने ऊपर लगाए गए देशद्रोह के प्रकरण में न्याय की गुहार लेकर देश की सर्वोच्च न्यायालय पहुंच गए उन्हें सर्वोच्च न्यायालय से न्याय मिल गया। उन पर देशद्रोह का प्रकरण चाहने वालों को मात खानी पड़ी। ऐसे निष्पक्ष निर्भीक पत्रकार विनोद दुआ जिन्होंने न्याय के लिये देश की सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया उनका पिछले सप्ताह असामयिक स्वर्गवास हो गया। हम उन्हें विनम्र श्रृद्धांजली अर्पित करते हैं। ज्वलंत प्रश्न यह है देश के छोटे छोटे नगरों जिला मुख्यालयों पर कार्यरत पत्रकारों पर इस तरह का प्रकरण चलाया जाता है तो क्या भी सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच पाएंगे।

ऑनलाइन शिक्षा

इसके फायदे हैं तो नुकसान भी हैं

उत्साह की कमी

मानव एक समाजिक प्राणी है और ऑनलाइन ट्यूशन की तुलना में छात्र स्वाभाविक सीधे ट्यूशन में अधिक रुचि रखता है। कभी कभी बच्चे ऑनलाइन ट्युइशनस में उत्साह नहीं ले पाते है। स्कूलों और कॉलेजों में टोप्पेर्स और अन्य छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतियोगिता करवाए जाते है जिसके लिए उन्हें पुरस्कार दिए जाते है और उत्साह बनी रहती है। ऑनलाइन ट्यूशन में इन चीजो की कमी होती है।

अनुशासन की कमी

स्कूल में छात्र हमेशा अनुशासन का पालन करते है और एक निर्धारित समय अपना कक्षा कार्य और गृह कार्य पूरा करते है। लेकिन ऑनलाइन शिक्षा में निश्चित अनुशासन का पालन नहीं किया जाता है।

आत्म मूल्यांकन की कमी

स्कूलों में बच्चो की योग्यता को जानने के लिए परीक्षाएं और होमवर्क इत्यादि दी जाती है। जिससे शिक्षक जान सकते है कि बच्चे कहाँ पिछड़ गए और कितना जान पाए। बच्चे भी आपने आपको इसके द्वारा भली भाँती परख सकते है। ऑनलाइन शिक्षा में आत्म मूल्यांकन की कमी नजर आती है। ऑनलाइन शिक्षा में बच्चे इ पुस्तक पढ़ते है जब कि स्कूलों में विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की पुस्तकों से रूबरू होते है।

ऑनलाइन शिक्षा के सभी तरह के पहलु हैं। लेकिन यह कहना गलत न होगा कि लॉकडाउन में ऑनलाइन शिक्षा ने बच्चों, शिक्षकों और शिक्षा संगठनों की काफी मदद की है और शिक्षा के आदान-प्रदान को रुकने नहीं दिया। प्रौद्योगिकी ने इतनी उन्नति कर ली है कि हम घर से और दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त कर सकते है। ऑनलाइन शिक्षा, शिक्षा का ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से घर बैठे शिक्षक इंटरनेट के माध्यम से देश के किसी भी कोने या प्रांत से बच्चों को पढ़ा सकते है। इस में शिक्षक और विद्यार्थी अपने सहूलियत के अनुसार वक्त का चुनाव कर ऑनलाइन जुड़ जाते है। शिक्षक स्काइप ,व्हाट्सप्प ,और ज़ूम वीडियो कॉल के माध्यम से बच्चो को आसानी से पढ़ा सकते है।

कोविड काल में यह सबसे सशक्त माध्यम के रूप में उभरकर सामने आया। ऑनलाइन यानि दूरस्थ शिक्षा ने लॉकडाउन में चल रही इस मुश्किल को आसान कर दिया। अब विद्यालय के निर्देशों के अनुसार शिक्षक बच्चो को घर से ऑनलाइन पढ़ा रहे हैं ताकि शिक्षा में बाधा न पड़े। ऑनलाइन शिक्षा एक अलग तरह की प्रणाली है जहां शिक्षक विभिन्न प्रकार के टूल्स का उपयोग कर शिक्षा को आसान बना देते हैं। ऑनलाइन छात्र स्काइप, अपीयरइन और गूगल क्लासरूम के माध्यम से अपने शिक्षक के संपर्क में आते है । छात्र अक्सर अपने फ़ोन के मदद से शिक्षकों से हर समय संपर्क साध लेते है। संचार की प्रगति के कारण छात्रों को लाभ होता है क्यों कि ट्यूशन केवल साप्ताहिक एक घंटे के सत्र की तुलना में निरंतर संवाद का अधिक हो सकता है। ऑनलाइन संसाधनों जैसे गूगल मैप्स , गूगल एअर्थ ,वेबसाइट चित्र और वीडियो के माध्यम से ऑनलाइन पाठ पढ़ाना रोचक हो गया है।

बेहतर फ्लेक्सिबिलिटी

ऑनलाइन ट्यूशन के साथ अंतिम मिंटो के समय में परिवर्तन आ सकता है। शिक्षक जब चाहे तब क्लास रख सकता है और स्थगित भी कर सकता है। इसमें यात्रा नहीं करनी पड़ती है और काफी समय बच जाता है। ऑनलाइन स्क्रीन शेयरिंग का उपयोग करके विषयो को समझना आसान हो गया है। ऑनलाइन शिक्षा एक उत्कृष्ट शिक्षा का उदाहरण है।

प्रौद्योगिकी ने शिक्षण व्यस्था में बदलाव लाया

ऑनलाइन ट्यूशन की सबसे अधिक आपको शिक्षण संबंधित विकल्प देता है। ऑनलाइन व्हाइटबोर्ड का उपयोग ,फाइल ,लिंक और वीडियो भेजने के कारण शिक्षक अपनी रचनात्मक शिक्षा को विद्यार्थियों तक पहुंचा सकता है। इसमें शिक्षक को विभिन्न प्रकार से बच्चों को पढ़ाने का भरपूर मौका मिलता है।

प्रभावी शिक्षा

ऑनलाइन ट्यूशन के कारण यात्रा नहीं करनी पड़ती है। इससे समय की बचत हो जायेगी। इंटरनेट का आसानी से उपलब्ध होना ऑनलाइन शिक्षा के लिए वरदान के रूप में साबित हुआ है। किसी भी वैश्विक स्थान और अजीब समय ऑनलाइन पर पाठ पढ़ाया जा सकता है। आपको सिर्फ केवल एक उपकरण जैसे कंप्यूटर और इंटरनेट कनेक्शन की ज़रूरत होती है। ऐसा नहीं है कि शिक्षा के ऑनलाइन माध्यम पूरी तरह से लाभकारी ही है। इसके साइड इफेक्ट्स भी हैं। ऑनलाइन ट्यूशन करने से कुछ बच्चे बिगड़ जाते है। ऑनलाइन ट्यूशन बच्चो को ऑफलाइन ट्यूशन के मुकाबले कम समय के लिए शिक्षा प्रदान करता है। सिर्फ एक तरफा अध्यापक बच्चो को पढ़ाता है ,उसमे बच्चा ज़्यादा समय के लिए क्लासवर्क नहीं कर पाता है। ऑफलाइन शिक्षक बच्चे को नैतिक शिक्षा प्रदान करता है जब कि ऑनलाइन शिक्षण में ऐसा नहीं हो पाता है। ऑनलाइन ट्यूशन को अच्छे नेटवर्क की आवश्यकता होती है। जहाँ नेटवर्क नहीं है वहां ऑनलाइन शिक्षा कराना मुश्किल है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोग के पास तीव्र गति वाले इंटरनेट की सुविधा नहीं होती है। इसलिए वहां ऑनलाइन शिक्षा अभी भी वहां उपलब्ध नहीं है।

शिक्षा के लिए पर्याप्त योजना का अभाव

जब पहले बच्चे निजी ट्यूटर के पास पढ़ते थे तब बच्चा एक अध्ययन सूची के मुताबिक ,निश्चित अवधि के लिए पुस्तकों के साथ पढ़ने बैठता था। यह वर्षों तक चली आ रही परंपरा है। ऑनलाइन शिक्षा एक तहत ऐसी कोई विशेष शिक्षा सूची तैयार नहीं हुई है। बच्चे स्कूल में जितने अनुशासित रह सकते है। ऑनलाइन क्लासेज में इतने गंभीर नहीं होते है।

ठीक से छात्रों को ना समझ पाना: सामान्यतः एक शिक्षक कक्षा में आपको सीधे तरीके से समझ सकता है। कक्षा में आपकी बोल चाल और आपकी प्रतिक्रिया देखकर समझ सकता है कि आप विषय को कितना समझ पा रहे है। आपकी बॉडी लैंग्वेज को पढ़ सकता है और उसके आधार पर आपको समझा सकता है। दूसरी ओर ऑनलाइन शिक्षा में प्रत्यक्ष रूप से आमने सामने बात करने का मौका नहीं मिलता है। छात्रों को समझने और प्रगति की निगरानी ऑनलाइन शिक्षा के द्वारा कठिन होता है।

प्रतिस्पर्धा का माहौल ठीक से उत्पन्न न होना

ऑनलाइन शिक्षा में छात्रों का दल नज़र नहीं आता है। अगर किसी छात्र के साथ बाकी के छात्र भी उसके साथ पढ़ते है। अगर एक साथ पढ़ते तो और ज़्यादा पढ़ाई में रुचि उत्पन्न करता है । हमने अक्सर देखा है कि छात्र जब समूह में पढ़ते है तो वह अधिक सतर्क होते है। बच्चे अपनी काबिलियत साबित करने के लिए ज़्यादा मेहनत करते है और प्रतिस्पर्धा का माहौल रहता है। यह माहौल ऑनलाइन शिक्षा में नहीं मिल पाता है।

प्रैक्टिकल यानी व्यवहारिक शिक्षा का अभाव

व्यवहारिक अनुभव को शिक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताया जाता है। ऑनलाइन शिक्षा में ज़्यादातर व्यवहारिक अनुभव का अभाव है। ऑनलाइन शिक्षा में एनिमेटेड वीडियो और अभ्यास वीडियोस का उपयोग किया जाता है। स्कूल में शिक्षक भौतिक वस्तुओं का उपयोग करके छात्रों को पढ़ाते है। यह व्यवहारिक स्पर्श ,गहरी समझ अध्ययन में विशेष रूचि उतपन्न करता है। ऑनलाइन शिक्षा में व्यवहारिक ज्ञान की अनुपस्थिति होती है।

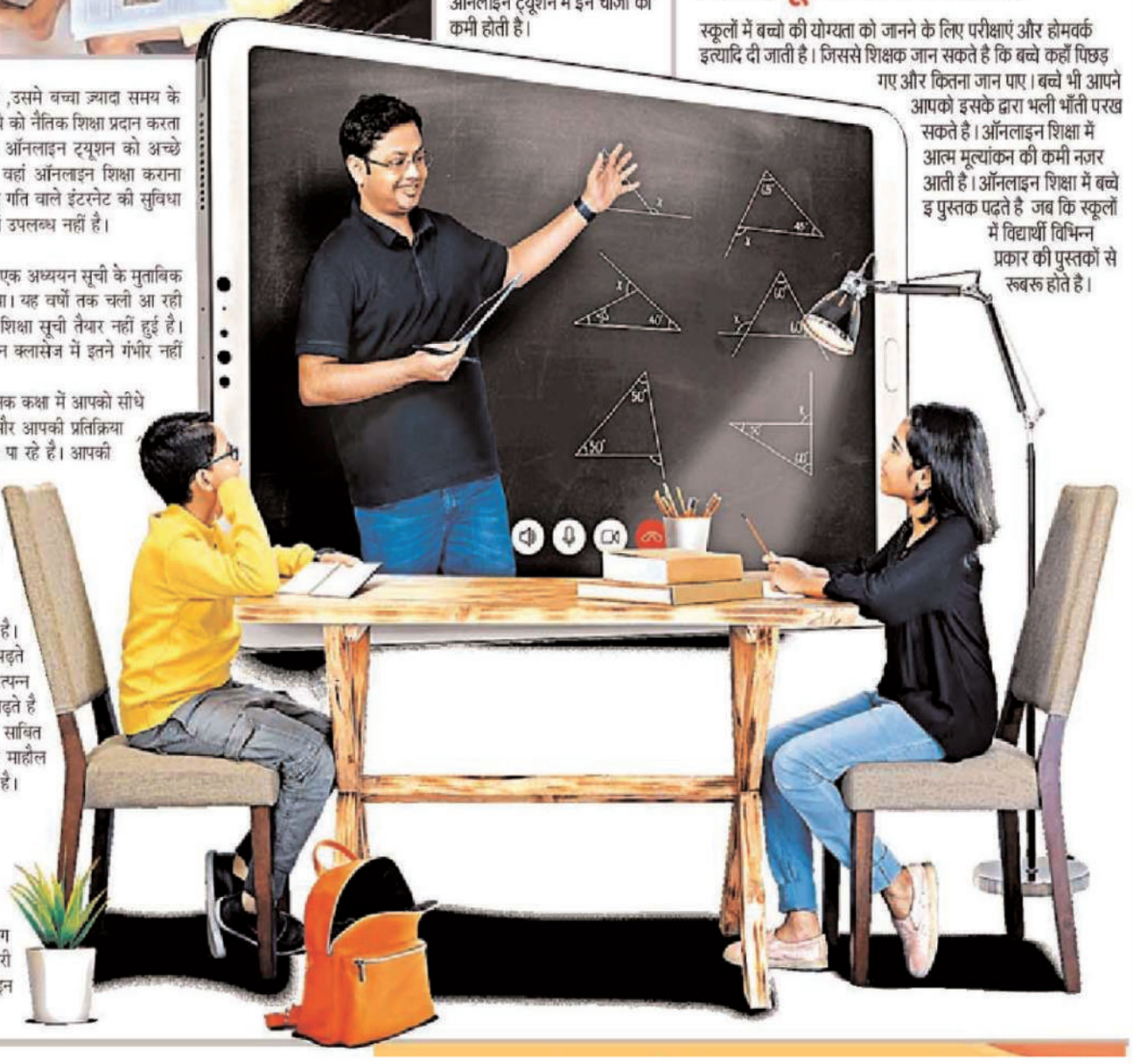

वेडिंग इंडस्ट्री के इन पांच क्षेत्र में बनायें शानदार कॅरियर

आपका काम विभिन्न घटनाओं और समारोहों के दौरान विभिन्न क्षणों को अपने कैमरे में कैद करना होता है। प्री-वेडिंग शूट के लिए आपको शादी से पहले हायर भी किया जा सकता है। आपको तस्वीरों को क्लिक करना होगा, उन्हें संपादित करना होगा, उन्हें संकलित करना होगा और उन्हें क्लाइंट की आवश्यकतानुसार प्रस्तुत करना होगा।फोटोग्राफर्स और वीडियोग्राफरों को शादियों की शूटिंग और एडिटिंग का कुछ साल का अनुभव होना चाहिए।

वेन्यू से लेकर मेनू तय करने तक, यह सारा काम वेडिंग प्लानर के अधिपत्य में आता है। संक्षेप में कहें तो आप एक थीम बनाने, सजाने, विक्रेताओं से समय समय पर कोआर्डिनेट करने, एक कैटरर खोजने और संगीत की योजना बनाने के लिए जिम्मेदार होते हैं।

भारत में शादी के समारोहों को आजकल विस्तृत मामलों के लिए जाना जाता है, जो अक्सर कई दिनों तक चलते हैं और इस दौरान सैकड़ों मेहमान शामिल हो सकते हैं। अधिकांश अन्य उद्योगों की तरह, भारत में शादी का व्यवसाय महामारी-प्रेरित तालाबंदी से प्रभावित हो गया था, लेकिन यह उद्योग अब धीरे-धीरे सुधार के संकेत दे रहा है और अभी भी काफी लोग इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाने के लिए गंभीर दिखाई दे रहे हैं।

विशिष्टता के लिए बढ़ते शौक के साथ, जैसे-जैसे लोग शादियों पर अधिक से अधिक खर्च कर रहे हैं, शादियाँ अपने आप में एक बड़ा उद्योग बनती जा रही हैं। और अगर शादियों जैसा इवेंट आपको रोमांचित करता है, तो काम करने के लिए यह एक आकर्षक जगह है। इवेंट प्लानिंग से लेकर वॉर्डरोब स्टाइलिंग तक, आपके लिए बहुत सारे विकल्प खुले हैं, जिनमें से कुछ के बारे में हम इस लेख में बात कर रहे हैं।

इस बड़े भारतीय शादी उद्योग में प्रवेश करने के इच्छुक लोगों के लिए यहाँ कुछ कैरियर भूमिका विकल्प दिए जा रहे हैं।

1. वेडिंग प्लानिंग

वेन्यू से लेकर मेनू तय करने तक, यह सारा काम वेडिंग प्लानर के अधिपत्य में आता है। संक्षेप में कहें तो आप एक थीम बनाने, सजाने, विक्रेताओं से समय समय पर कोआर्डिनेट करने, एक कैटरर खोजने और संगीत की योजना बनाने के लिए जिम्मेदार होते हैं।

पीआर, कम्युनिकेशंस, इवेंट या बिजनेस मैनेजमेंट में डिग्री या डिप्लोमा वेडिंग प्लानर बनने के इच्छुक लोगों के लिए एक एडेड एडवांटेज है। कुछ पदों के लिए हॉस्पिटैलिटी उद्योग में अनुभव की उम्मीद की जा सकती है। शुरूआती वेतन 20' रुपये से शुरू होते हैं और सिर्फ कुछ वर्षों के अनुभव के बाद यह एक लाख रुपये प्रति माह तक पहुंच सकता है।

2. डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया विशेषज्ञ

आज, ब्रांडों को एक मजबूत डिजिटल उपस्थिति की आवश्यकता होती है। चाहे वह जिफ और कॉमिक्स के माध्यम से एक प्रेम कहानी कैप्चर कर रहा हो या शादी की वेबसाइट पर सौंदर्य-फोटो शूट ले रहा हो, आज सभी जोड़े सोशल मीडिया पर अपने विशेष क्षणों को साझा करने के बारे गंभीर और सतर्क रहते हैं। डिजिटल विपणक और सोशल मीडिया विशेषज्ञ इस व्यवसाय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डिजिटल मार्केटिंग में विशेषज्ञता के साथ डिग्री इस उद्योग में आपके लिए एक प्रवेश द्वार हो सकता है। एक फ्रेशर सोशल मीडिया एग्जीक्यूटिव, कंटेंट मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव या एसईओ एनालिस्ट के रूप में शुरू कर सकता है, जो उच्च पदों की पेशकश करने वाले प्रबंधकीय पदों तक जाता है।

3. कैटरिंग

कैटरिंग एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा होता है इस पूरे आयोजन का, जिसमें आप खाद्य विभाग के प्रभारी हैं। मेनू को चुनने से लेकर उसे परोसने तक, यह सब आपके नियंत्रण में होता है। आपको टेबल सेटिंग्स और अतिरिक्त स्टाफ प्रदान करना होगा जो सभी कोर्सेज को समय पर मेहमानों के सामने पेश करता है। कई कैटरर्स पेय और बार सेवा भी प्रदान करते हैं। आपको कम से कम एक हाई-स्कूल की डिग्री और खाद्य-सेवा उद्योग में अनुभव की आवश्यकता होती है।

4. फैशन डिजाइनर और स्टाइलिस्ट

जैसा कि नाम से पता चलता है, आप ड्रेस विभाग के प्रमुख होते हैं। फैब्रिक से लेकर डिजाइन का चयन करने या इसमें फेरबदल करने तक, सब कुछ आपके निर्णय के मोहताज होते हैं। आपको कपल के साथ विभिन्न घटनाओं के लिए सही वेशभूषा को तय करने के लिए उनसे समय समय पर समन्वय बनाने की आवश्यकता होती है।

पेशेवर फैशन डिजाइनरों को एक लाइसेंस परीक्षा उत्तीर्ण करने के साथ एक राज्य-अनुमोदित फैशन डिजाइनिंग कार्यक्रम से स्नातक की आवश्यकता होती है।

5. वेडिंग फोटोग्राफी

आपका काम विभिन्न घटनाओं और समारोहों के दौरान विभिन्न क्षणों को अपने कैमरे में कैद करना होता है। प्री-वेडिंग शूट के लिए आपको शादी से पहले हायर भी किया जा सकता है। आपको तस्वीरों को क्लिक करना होगा, उन्हें संपादित करना होगा, उन्हें संकलित करना होगा और उन्हें क्लाइंट की आवश्यकतानुसार प्रस्तुत करना होगा।

फोटोग्राफर्स और वीडियोग्राफरों को शादियों की शूटिंग और एडिटिंग का कुछ साल का अनुभव होना चाहिए।

प्रलयंकारी

ग्लेशियर दुनियाभर में ला सकती है बाढ़

तटीय क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भूमि को भी कवर करेगा और बड़े पैमाने पर किरिबाती, तुवालु और मालदीव जैसे निचले द्वीप राष्ट्रों को निगल जाएगा

वैज्ञानिकों ने अभी-अभी इस बात की पुष्टि की है कि यह बर्फ का प्लेटफार्म तेजी से अस्थिर हो रहा

रीडिंग (द कन्वरसेशन)। पश्चिम अंटार्कटिका के विशाल थ्वाइट्स ग्लेशियर में इतनी बर्फ है कि अगर यह पूरी तरह से ढ़ह जाए तो वैश्विक समुद्र का स्तर 65 सेमी तक बढ़ा सकता है। और, चिंताजनक रूप से, हाल के शोध से पता चलता है कि इसकी दीर्घकालिक स्थिरता संदिग्ध है क्योंकि ग्लेशियर से बर्फ लगातार गिर रही है। वैश्विक समुद्र के स्तर में अगर 65 सेमी की वृद्धि हुई तो उससे पूरी तट रेखा बदल जाएगी। इसे इस तरह और बेहतर समझ सकते हैं कि 1900 के बाद से समुद्र के स्तर में लगभग 20 सेमी की वृद्धि हुई है, इस वृद्धि के परिणामस्वरूप तटीय इलाकों में रहने वाले समुदाय अपने घरों से बाहर निकालने के लिए मजबूर हो चुके हैं और बाढ़, खारे पानी के दूषित होने और आवास के नुकसान जैसी पर्यावरणीय समस्याएं बढ़ रही हैं। लेकिन चिंता की बात यह है कि थ्वाइट्स, जिसे इस क्षेत्र में इसकी मुख्य भूमिका के कारण कभी-कभी प्रलयंकारी ग्लेशियर

कहा जाता है, अगर गिरता है तो वह ऐसा अकेला ग्लेशियर नहीं होगा। यदि इसकी बर्फ समुद्र में गिरी तो इसकी एक श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया होगी और इसके साथ आसपास के अन्य ग्लेशियर भी धराशाई हो जाएंगे, जिसका अर्थ होगा समुद्र के स्तर में कई मीटर की वृद्धि।

पश्चिम अंटार्कटिका के ग्लेशियरों को मरीन आइस क्लिफ इन्स्टैबिलिटी या एमआईसीआई नामक एक तंत्र के कारण कमजोर माना जाता है, जहां बर्फ के हटने से विशाल और अस्थिर हिम चट्टानें उजागर होकर समुद्र में गिरती हैं। समुद्र के जल स्तर में कई मीटर की वृद्धि दुनिया के कई प्रमुख शहरों को जलमग्न कर देगी - जिनमें शंघाई, न्यूयॉर्क, मियामी, टोक्यो और मुंबई शामिल हैं। यह तटीय क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भूमि को भी कवर करेगा और बड़े पैमाने पर किरिबाती, तुवालु और मालदीव जैसे निचले द्वीप राष्ट्रों को निगल जाएगा।

ब्रिटेन जितना बड़ा

थ्वाइट्स लगभग ग्रेट ब्रिटेन के आकार की बर्फ की जमी हुई नदी है। यह पहले से ही वैश्विक समुद्रस्तर में वृद्धि का लगभग 4S योगदान देता है। 2000 के बाद से, ग्लेशियर को 1000 अरब टन से अधिक बर्फ का शुद्ध नुकसान हुआ है और यह पिछले तीन दशकों में लगातार बढ़ा है। 30 वर्षों में इसके प्रवाह की गति दोगुनी हो गई है, अर्थात 1990 के दशक की तुलना में दोगुनी बर्फ समुद्र में जा रही है। 80 मील चौड़ा थ्वाइट्स ग्लेशियर, दुनिया का सबसे चौड़ा ग्लेशियर है, इसे बर्फ के एक तैरते हुए प्लेटफॉर्म, जिसे आइस शेल्फ कहते हैं, ने अपनी जगह पर रोक रखा है। यह प्लेटफार्म ग्लेशियर को रोकता है और इसके बहने की रफ्तार को भी कम करता है, लेकिन वैज्ञानिकों ने अभी-अभी इस बात की पुष्टि की है कि यह बर्फ का प्लेटफार्म तेजी से अस्थिर हो रहा है। ओरेगॉन स्टेट यूनिवर्सिटी के एक ग्लेशियोलॉजिस्ट एरिन पेटिट के अनुसार, पूर्वी बर्फ के शेल्फ की सतह पर आड़ी तिरछी दरारें आ चुकी हैं, और दस साल के भीतर यह ढ़ह सकता है। 2020 में प्रकाशित एक शोध भी इस बात का समर्थन करता है जिसमें थ्वाइट्स आइस शेल्फ पर दरारें और दरारों के विकास का भी उल्लेख किया गया है। ये संकेत देते हैं कि यह संरचनात्मक रूप से कमजोर हो चुका है। यदि थ्वाइट्स की बर्फ की शेल्फ ढह गई, तो यह ग्लेशियर के अंत की शुरुआत होगी। अपने बर्फ के शेल्फ के बिना, थ्वाइट्स ग्लेशियर अपनी सारी बर्फ समुद्र में छोड़ देगा।

अन्य अस्थिर हिमनद

आइस शेल्फ - जिसे थ्वाइट्स ग्लेशियर का तैरता हुआ विस्तार माना जा सकता है - कई में से एक है जिसे वैज्ञानिक अमंडसन सी बेसिन, वेस्ट अंटार्कटिका में करीब से देख रहे हैं। कई बर्फ की तहें जो वहां के ग्लेशियरों को थामे रखती हैं, जिनमें थ्वाइट्स और उसके आसपास के ग्लेशियर, पाइन आइलैंड ग्लेशियर शामिल हैं, समुद्र के बढते तापमान से नष्ट हो रहे हैं।

गर्म समुद्र का पानी इन तैरती हुई बर्फ की तहों को कम करने में सक्षम है, जो नीचे से बर्फ को पिघलाकर इसकी परत को पतला कर सकती है और इसे कमजोर कर सकती है, जिससे सतह पर देखी गई दरारें और फ्रैक्चर विकसित हो सकते हैं। बर्फ की तहों की निचली परत के पिघलने से उस एंकरिंग बिंदु को भी नुकसान पहुंच सकता है, जहां बर्फ समुद्र के किनारे से पीछे की ओर मिलती है। अमडसन सागर में समुद्र का ढलान चूंकि नीचे की ओर है, तो ऐसे में अगर ग्लेशियर तेजी से पिघले तो दुनियाभर में बड़े बदलाव आ सकते हैं। अंततः, यदि बर्फ की तहें अपनी जगह छोड़ देती हैं तो इसका मतलब है कि पश्चिम अंटार्कटिक ग्लेशियरों को थामे रखना मुश्किल होगा - जिससे वह तेजी से टूटेंगे और समुद्र के स्तर में भारी वृद्धि करेंगे।

वैज्ञानिक अभी भी एमआईसीआई को लेकर विचार कर रहे हैं और पश्चिम अंटार्कटिक ग्लेशियरों के भविष्य के बारे में सवाल बने हुए हैं। जबकि थ्वाइट्स का पतन निश्चित रूप से एक बड़े पतन की घटना का कारण बन सकता है, सभी को विश्वास नहीं है कि ऐसा होगा। कुछ अन्य लोगों का यह भी विचार है कि थ्वाइट्स की बर्फ की तहें और ग्लेशियर के अस्थिर होने से उस तरह के भयावह परिणाम नहीं होंगे जिनसे डरने की जरूरत हो। उनके अनुसार बर्फ के विशाल टुकड़े जो ग्लेशियर और प्लेटफार्म की परतों से टूटेंगे, ग्लेशियर के पतन को रोकने का काम भी कर सकते हैं। पश्चिम अंटार्कटिका में वास्तव में क्या होगा, इस बारे में अनिश्चितता बनी हुई है, एक बात निश्चित है - थ्वाइट्स ग्लेशियर से गिरने वाली बर्फ आने वाले कई वर्षों तक वैश्विक समुद्र के स्तर को बढाना जारी रखेगी।

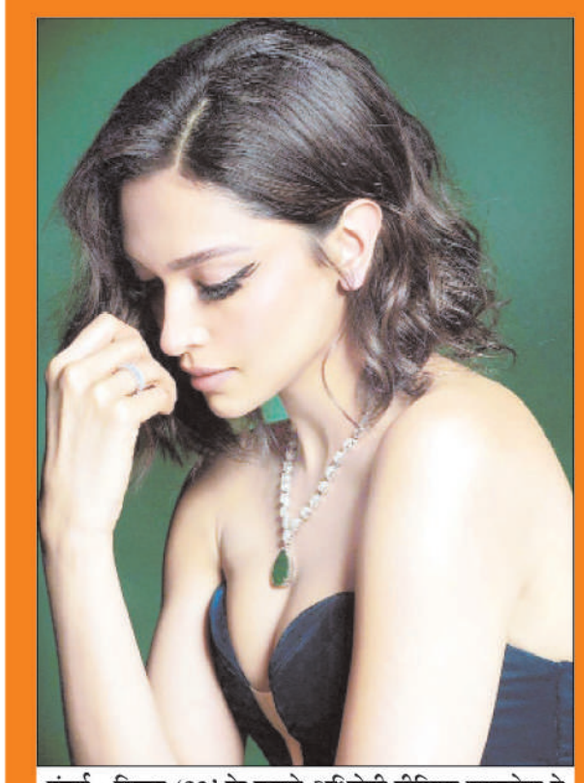

मुंबई : फिल्म '83' के चलते अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने इंस्टाग्राम पर जारी की फोटो।

अक्षय कुमार ने पुष्पा द राइज के लिए अल्लू अर्जुन की तारीफ की

मुंबई (वार्ता)। अक्षय कुमार ने पुष्पा द राइज के लिये दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की तारीफ की है। अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा द राइज इन दिनों चर्चा में है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है। अक्षय कुमार ने फिल्म पुष्पा द राइज के लिए अल्लू अर्जुन की तारीफ की है। अक्षय कुमार ने अपने ट्विटर अकाउंट पर फिल्म पुष्पा द राइज के ट्रेलर को शेयर किया है। इस ट्रेलर को शेयर करते हुए अक्षय कुमार ने फिल्म की तारीफ की है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, जिस तरह तुमको और फिल्म पुष्पा द राइस को पूरे भारत में ढ़ेर सारा प्यार मिल रहा है उसके लिए बधाई और फिल्म जगत की सफल फिल्मो में एक और नाम जुड़ गया है।

ओटीटी पर एक्टिंग करियर फिर शुरू करना चाहते हैं अमित टंडन

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेता अमित टंडन एक डिजिटल शो के साथ वापसी करने को तैयार हैं। वे कहते हैं, दो साल बाद मैं अपने अभिनय करियर को फिर से शुरू करना पसंद करूंगा। मैं टीवी और बॉलीवुड के लिए तैयार हूं। लेकिन हां एक बदलाव के लिए मैं डिजिटल प्लेटफॉर्म को आजमाना चाहूंगा। मुझे ट्रेंडिंग स्क्रीन का पता लगाना अच्छा लगेगा। बॉलीवुड फिल्म क्रिएचर 3डी में काम करने के लिए पहचाने जाने वाले अमित बोल्ड सीन के लिए भी तैयार हैं। वे कहते हैं, मैं वास्तविकता के एक प्रमुख स्पर्श के साथ और आक्रामकता के साथ भूमिका निभाना पसंद करूंगा। मेरी आदर्श पसंद एक पुलिस या मुक्केबाज की एक्शन भूमिकाएं निभाना होगा।

विद्युत जावियर ने शो के सेट बांटे क्रिसमस गिफ्ट

मुंबई (आईएएनएस)। मेडिकल ड्रामा धड़कन जिंदगी की में डॉक्टर अभय की भूमिका निभाने वाले अभिनेता विद्युत जावियर ने क्रिसमस के कुछ उपहार जैसे जिंजरब्रेड आदि अपने को स्टार दिए, जिन्हें उन्होंने खुद बनाया था। क्रिसमस के बारे में उत्साहित और क्रिसमस उपहारों के साथ अपने सह-कलाकारों को आश्चर्यचकित करते हुए, विद्युत ने साझा किया कि क्रिसमस अपने वास्तविक अर्थों में दोस्ती और परिवार जैसे रिश्तों की खुशी को साझा करने के बारे में है। मैंने अपनी मां की रेसिपी के साथ क्रिसमस की बहुत सारी चीजें बेक की हैं। इसलिए, अब जब मैं अपने शूट शेड्यूल में व्यस्त हूं, तो मैं अपने परिवार से कम ही मिल पाता हूं।

एक कलाकार के लिए सबसे बड़ा उपहार है दर्शकों का प्यार

मुंबई (आईएएनएस)। गायक अरमान मलिक ने संगीत उद्योग में 14 साल पूरे कर लिए हैं। वह इसका श्रेय अपने प्रशंसकों से मिले प्यार को देते हैं। इंडस्ट्री में अपने 14 साल के सफर के बारे में बात करते हुए, अरमान ने कहा कि मेरे पास अपने परिवार, गुरुओं, संगीतकारों, लेखकों, संगीतनिर्माताओं और तकनीशियनों के लिए आभार और प्यार के अलावा कुछ नहीं है, जिन्होंने मुझे कलाकार बनने में मदद की है। उन्होंने आगे कहा कि मेरे संगीत को प्यार करने और मुझे अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए मेरे सभी प्रशंसकों का बहुत-बहुत धन्यवाद।

तारे जमीं पर के उनके पहले गीत बम बम बोले की आज 14वीं वर्षगांठ है। अपने डेब्यू से पहले मलिक ने 11 साल की उम्र में रियलिटी शो सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। एक किशोर के रूप में, अरमान की डिस्कोग्राफी में चेन कुली की मैं कुली, भूतनाथ, रमाः द सेवियर, चिल्लर पार्टी, जय हो, खूबसूरत और उंगली जैसी फिल्मों के लोकप्रिय गाने है। भारत को गौरवान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध, अरमान ने नेक्स्ट 2 मी, कंट्रोल और इको जैसे गानों के साथ वैश्विक संगीत परिदृश्य में कदम रखा। बिलबोर्ड के मुताबिक, अरमान के सिंगल नेक्स्ट 2 मी ने टॉप ट्रिलर यूएस और टॉप ग्लोबल चार्ट्स दोनों में टॉप किया। उनके गीत इको ने भारतीय पॉप और के-पॉप के संगम को चिह्नित किया। हाल ही में, उन्हें भारत में 2021 में ट्विटर पर सबसे अधिक चर्चित संगीतकारों में से एक के रूप में दिखाया गया था।

इस्राइल के शोधकर्ताओं ने खोजी रोमन युग की सोने की अंगूठी

तेल अवीव (वार्ता)। इस्राइल के शोधकर्ताओं ने रोमन युग की गुड शेफर्ड सोने की अंगूठी की खोज की है जिसमें यीशु के लिए ईसाई प्रतीक की च्रिन दिखाई दिया है। पुरातत्वविदों को यह अंगूठी इस्राइल के भूमध्यसागरीय तट से मिली है जिसे बुधवार को प्रदर्शन के लिए रखा गया। बीबीसी ने इजरायल में प्राचीन कालीन वस्तुओं के प्राधिकरण के हवाले से बताया कि अंगूठी पर एक हरे रंग का रत्न लगा हुआ है जिस पर कंधे पर भेड़ लिए हुए एक चरवाहे की आकृति उकेरी हुई है।

बायबिल के अनुसार ईश मसीह ने स्वयं को अच्छा चरवाहा बताया। कैसरिया के प्राचीन बंदरगाह के पास दो जहाजों से बरामद अन्य खजाने में तीसरी शताब्दी के चांदी और कांस्य रोमन सिक्के और 14 वीं शताब्दी की शुरुआत में मामलुक काल के दौरान चांदी के सिक्कों का एक संग्रह शामिल है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार शोधकर्ताओं को रोमनयुग की मूर्तियां एक चील के रूप में और एक थिएटर कलाकार का हास्य मुखौटा, बुरी आत्माओं को भगाने के उद्देश्य बनाई गई पीतल की घंटियां और एक लाल रत्न से जड़ित एक अंगूठी सेट जिस पर वीणा उकेरी हुई मिली है।

डेल्टा की तुलना में कम खतरनाक है ओमीक्रोन

- इसमें कम संख्या में लोगों को अस्पताल में भर्ती कराए जाने की जरूरत पड़ती है
- ब्रिटेन में कोविड-19 के आंकड़ों पर आधारित दो अध्ययनों में हुआ खुलासा

लंदन (भाषा)। ब्रिटेन में कोविड-19 के आंकड़ों पर आधारित दो अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि वायरस का ओमीक्रोन स्वरूप डेल्टा स्वरूप की तुलना में कम खतरनाक है और इसमें कम संख्या में लोगों को अस्पताल में भर्ती कराए जाने की जरूरत पड़ती है।

इम्पीरियल कॉलेज लंदन द्वारा किए गए शोध में पाया गया कि पीसीआर की जांच में जिन लोगों के ओमीक्रोन से पीड़ित होने की पुष्टि हुई है, उनके डेल्टा स्वरूप की तुलना में अस्पताल में एक रात या इससे अधिक समय गुजारने की संभावना 40 से 45 फीसद तक कम होती है। अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों को पहले संक्रमण हुआ था और अब वे ओमीक्रोन से पीड़ित हैं तो उन लोगों की तुलना में उन्हें 50 से 60 फीसदी तक अस्पताल में भर्ती कराने की कम संभावना है, जिन्हें पहले संक्रमण नहीं हुआ था। वहीं जिन लोगों ने टीकाकरण नहीं कराया है उनके अस्पताल में भर्ती होने का खतरा ज्यादा है।

इम्पीरियल कॉलेज के प्रोफेसर नील फर्गुसन ने कहा, हमारा विश्लेषण दिखाता है कि डेल्टा स्वरूप की तुलना में ओमीक्रोन स्वरूप में अस्पताल में भर्ती होने का जोखिम कम है। वैज्ञानिक ने कहा कि हालांकि ओमीक्रोन की 'उच्च संचरण' क्षमता के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ बढ़ सकता है। ब्रिटेन में बुधवार को कोविड-19 संक्रमण के मामले एक दिन में एक लाख दर्ज किए गए।

इम्पीरियल कॉलेज के अध्ययन में ओमीक्रोन के 56 हजार मामले और डेल्टा के 2,69,000 मामले शामिल किए गए। इस अध्ययन की अभी तक विशेषज्ञों ने समीक्षा नहीं की है। यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग और स्कॉटलैंड के अन्य विशेषज्ञों के शोध में भी पाया गया कि डेल्टा की तुलना में ओमीक्रोन के मामलों में अस्पताल में भर्ती कराए जाने का जोखिम दोतिहाई कम है। हालांकि, यह अध्ययन अस्पताल में भर्ती 15 लोगों के छोटे नमूने पर आधारित है।

शाहरुख और भंसाली के साथ काम करना चाहती है हरनाज संधू

मुंबई (वार्ता)। मिस यूनिवर्स हरनाज संधू बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान और फिल्मकार संजय लीला भंसाली के साथ काम करना चाहती है। हरनाज संधू ने हाल ही में मिस यूनिवर्स 2021 का ताज अपने नाम किया। हरनाज संधू पूरे देश में चर्चा हो रही है। हरनाज संधू ने फिल्मी दुनिया में कदम रखने को लेकर बड़ी बात कही है। हरनाज ने बताया है कि वह शाहरुख खान का बेहद सम्मान करती है और वह उनके साथ बॉलीवुड का सफर शुरू करना चाहती हैं।

हरनाज संधू ने कहा, मैं एक ऐसी इंसान हूं, जो कभी जिंदगी की प्लनिंग नहीं करती हूं। मैं पेशे से एक कलाकार रही हूं, मैं पिछले पांच साल से थिएटर कर रही हूं। मैं संजय लीला भंसाली के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं। मुझे उनके काम करने का तरीका पसंद है, मुझे गुणवत्ता और कला पसंद है, उनकी फिल्मों में भावना और गहराई होती है। मै शाहरुख खान का बहुत सम्मान और उनसे प्यार करती हूं। उन्होंने जितनी मेहनत की है और अब भी कर रहे हैं, मुझे लगता है कि यह कभी भी पर्याप्त नहीं है। लेकिन वह हमेशा जमीन से जुड़े रहते है, उन्होंने हमेशा सफलता हासिल की है। और जिस तरह से वह हर इंटरव्यू में बात करते है, वह सच में मुझे प्रेरित करते है कि यह सिर्फ आपके रवैये के बारे में है जो आपको जगह देता है।

धनुष

द्विभाषी फिल्म का शीर्षक तमिल में **वाथी**, जबकि तेलुगु में **सर** है

चेन्नई (आईएएनएस)। अभिनेता धनुष की अगली फिल्म द्विभाषी है। इसका शीर्षक तमिल में 'वाथी' और तेलुगु में 'सर' रखा गया है। फिल्म निर्माताओं ने गुरुवार को यह जानकारी दी। फिल्म ने भारी उत्साह पैदा किया है क्योंकि यह धनुष की पहली प्रत्यक्ष तेलुगु फिल्म होगी। नागा वामसी और साई सौजन्या द्वारा निर्मित, फिल्म में संगीत जी.वी. प्रकाश, दिनेश कृष्णन इसके छायाकार और नवीन नूली इस फिल्म के संपादक होंगे।

निर्माताओं ने बहुप्रतीक्षित फिल्म के शीर्षक की घोषणा करने के लिए एक लघु वीडियो क्लिप जारी की। फिल्म के वीडियो क्लिप को इसके निर्माताओं द्वारा एक आम आदमी की महत्वाकांक्षी यात्रा के रूप में वर्णित किया है। फिल्म में धनुष एक शिक्षक की भूमिका निभाएंगे। वीडियो में वाक्यांश है, जिसमें कहा गया है, कक्षाएं जल्द ही शुरू होती हैं, जिससे पता चलता है कि, यह फिल्म एक शैक्षणिक संस्थान में एक कहानी के बारे में होगी। इस फिल्म की शूटिंग जल्द शुरु होगी।

कमल हासन ने शुरू की फिल्म विक्रम की शूटिंग

चेन्नई (आईएएनएस)। अभिनेता कमल हासन ने अपनी 232 वीं फिल्म विक्रम की शूटिंग फिर से शुरू कर दी है। जहां विक्रम की यूनिट की शूटिंग 10 दिसंबर से फिर से शुरू हो गई थी, वहीं कमल हासन बुधवार को ही टीम में शामिल हुए। लोकेश कनकराज द्वारा निर्देशित, फिल्म में फहद फासिल, विजय सेतुपति, नारायण और कालिदास जयराम अन्य शामिल हैं। विक्रम अगस्त में प्रोडक्शन में आई थी, और फिल्म के कई शेड्यूल पूरे हो चुके है। इस शेड्यूल में कमल हासन, विजय सेतुपति और फहद फासिल के संयुक्त दृश्यों को शूट किया जाना है। फिल्म में छायाकार और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गिरीश गंगाधरन, संपादक फिलोमिन राज, कला निर्देशक सतीश, कोरियोग्राफर सैंडी, एक्शन निर्देशक अनबरीव शामिल हैं।

स्पेन में सड़कों पर मास्क पहनना फिर होगा अनिवार्य

मैड्रिड (वार्ता)। स्पेन में कोविड-19 के मामले फिर बढ़ने के कारण सड़कों पर मास्क पहनना फिर से अनिवार्य हो जाएगा। सरकार ने यह जानकारी दी है। कैबिनेट ने कहा कि इस संबंध में संबंधित दस्तावेज गुरुवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में अपनाया जाएगा। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचो ने स्वायत्त समुदायों के प्रमुखों की बैठक में कैबिनेट की इस योजना की घोषणा की। स्पेन में इस वर्ष जून में सड़कों पर अनिवार्य रूप से मास्क पहनना समाप्त कर दिया गया था, लेकिन बंद सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिर्वाय बना रहा। स्पेन छठी लहर का अनुभव कर रहा है। लगभग 90 प्रतिशत जनसंख्या के टीकाकरण के बावजूद संक्रमण में वृद्धि जारी है। पिछले एक दिन में 27,000 से अधिक नए मामले दर्ज किये गये है।

नोटों से भरी तिजोरियां: पीयूष जैन के यहां 24 घंटे से जारी है नोटों की गिनती, मंगाई गई और 13 मशीनें

कानपुर। कानपुर में इत्र कारोबारी पीयूष जैन के यहां जीएसटी विभाग की छापेमारी जारी है। छापेमारी के दौरान जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) की टीम को कई अलमारियों में नोट भरे मिले हैं। जिसे गिनने में टीमें पिछले 24 घंटों से लगी हैं। नोट गिनने के लिए 13 मशीने मंगवाई गई है। अस्सी बक्से और एक कंटेनर भी मंगवाया गया है। टीम बक्सों में नोटों के बंडल भरकर कंटेनर में लोडकर ले जाएगी। मौके पर गुरुवार देर रात से पीएसी तैनात है। जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने इत्र कारोबारी पीयूष जैन के बेटे प्रत्यूष जैन को कस्टडी में लिया है। टीम प्रत्यूष को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है। पीयूष जैन के आनंदपुरी स्थित घर में भारी कैश और होने की संभावना है। कर चोरी की आशंका में जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) की टीम ने गुरुवार सुबह इत्र कारोबारी पीयूष जैन के घर, फैक्ट्री, ऑफिस, कोल्ड स्टोरेज और पेट्रोल पंप पर छापा मारा था। यह कार्रवाई कानपुर, कन्नौज, गुजरात, मुंबई स्थित प्रतिष्ठानों पर एक साथ की गई थी। अधिकारियों ने मौके से दस्तावेज और नकदी जब्त की है। सूत्रों के मुताबिक, अभी तक 150 करोड़ रुपये की कर चोरी के सुबूत हाथ लगे हैं। मुखौटा कंपनियों के जरिये 100 करोड़ रुपये से अधिक का लोन लेने की भी बात सामने आई है। इत्र कारोबारी पीयूष जैन मूलरूप से कन्नौज के छिपत्ती के रहने वाले हैं। वर्तमान में जूही थानाक्षेत्र के आनंदपुरी में रहते हैं। ये सपा के एक नेता के करीबी भी हैं। कन्नौज में इनकी इत्र की फैक्ट्री, कोल्डस्टोरेज और पेट्रोल पंप है। इत्र कंपनी का हेड ऑफिस मुंबई में है और वहां एक घर भी है। गुरुवार सुबह मुंबई की एक टीम कानपुर के अधिकारियों के साथ आनंदपुरी स्थित घर पहुंची। टीम अपने साथ नोट गिनने वाली चार मशीनें लाई थी। परिवार के लोगों से घर में बंद कर पूछताछ की। अधिकारियों ने बताया कि कन्नौज स्थित फैक्ट्री से इत्र मुंबई जाता है। यहां से इत्र पूरे देश और विदेश में बेचा जाता है। पीयूष जैन की करीब 40 कंपनियां हैं, जिसमें दो सऊदी अरब, दो देश के पूर्वी राज्यों में हैं। समाजवादी इत्र की लांचिंग में अखिलेश मौजूद थे। पीयूष जैन ने एक माह पहले समाजवादी इत्र की लांचिंग लखनऊ में की थी।

अमित शाह का आज का प्रयागराज दौरा रद, जन विश्वास यात्रा में अब शामिल होंगे महेन्द्र नाथ पाण्डेय

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के चाणक्य माने जाने वाले गृह तथा सहकारिता मंत्री अमित शाह का शुक्रवार का प्रयागराज दौरा रद हो गया है। अमित शाह को आज प्रयागराज में जन विश्वास यात्रा में शामिल होना था। गाजीपुर से रवाना होने वाले भाजपा की जनविश्वास यात्रा शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचेगी। यहां पर गृह तथा सहकारिता मंत्री अमित शाह को यात्रा में शामिल होना था, लेकिन उनका आज का प्रयागराज का दौरा रद हो गया है। अब उनके स्थान पर प्रयागराज में केन्द्रीय भारी उद्योग मंत्री और चंदौली से भारतीय जनता पार्टी के सांसद डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय जनविश्वास यात्रा में शामिल होंगे। 19 दिसंबर को भाजपा काशी क्षेत्र की तरफ से गाजीपुर से जन विश्वास यात्रा शुरू की गई। इसे केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। 23 दिसंबर को यह यात्रा प्रयागराज के यमुनापार क्षेत्र में पहुंची। इसका विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया। आज 24 दिसंबर को यह यात्रा महानगर में प्रवेश करेगी। 25 को गंगापार की सभी विधान सभाओं में भ्रमण करेगी। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ केन्द्रीय गृह तथा सहकारिता मंत्री अमित शाह को भी उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव के मोर्चे पर लगा रखा है। इसी क्रम में अमित शाह को प्रदेश में कई जगह पर भाजपा की जनविश्वास यात्रा में शामिल होना है। अमित शाह का दस दिन में सात बार उत्तर प्रदेश का दौरा प्रस्तावित है। इसमें उनको 24 दिसंबर से चार जनवरी 2022 तक सात बार उत्तर प्रदेश आना है। उत्तर प्रदेश में उनकी 21 जनसभा तथा तीन रोड शो हैं। इस दौरान वह भी करीब 140 विधानसभा क्षेत्र कवर करेंगे। प्रयागराज में उनका दौरा रद होने के बाद वह अब अयोध्या, गोरखपुर तथा बरेली में रोड शो करेंगे। अमित शाह अयोध्या में रामलला के दर्शन कर रोड शो करेंगे।

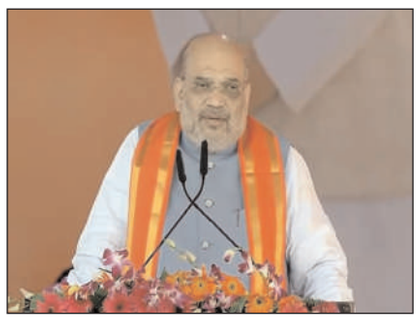

मिलावट करने वाले छह विक्रेताओं के खिलाफ दायर किया वाद

मैनपुरी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा जांच के लिए भेजे गए छह खाद्य पदार्थों के नमूने फेल हो गए थे। इस पर विभाग ने शासन से विक्रेताओं पर वाद दायर करने की अनुमति मांगी थी। अनुमति मिलने के बाद एसीजेएम न्यायालय में वाद दायर किए गए हैं। पूर्व में चलाए गए अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने कुछ खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे थे। जांच रिपोर्ट में छह नमूने फेल हो गए। इसमें कुरावली के फर्दखाना निवासी नंदकिशोर की दुकान से लिए गया पूजा का घी, बेवर निवासी आमिर की दुकान से लिया गया बेसन, बेवर निवासी प्रदीप कुमार की दुकान से लिया गया सरसों के तेल, मोहल्ला अग्रवाल निवासी मनोज गुप्ता की दुकान से लिया गया नमकीन, इलाहबांस निवासी प्रशांत की दुकान से लिया गया मिश्रित तेल का नमूना और करहल निवासी संजीव जैन की दुकान से लिया गया नमकीन का नमूना फेल हो गया था। पूजा के घी में दूसरे घी की मिलावट के साथ ही बेसन और सरसों के तेल में रंग की मिलावट थी। वहीं, नमकीन में रंग के साथ ही मिथ्याछाप और मिश्रित तेल में रंग की मिलावट की गई थी। नमूने फेल होने पर विक्रेताओं को नोटिस जारी करते हुए विभाग की ओर से शासन को मुकदमा दायर करने की अनुमति के लिए पत्रावली भेजी गई थी। अनुमति मिलने के बाद सभी छह विक्रेताओं के विरुद्ध एसीजेएम न्यायालय में मुकदमा दायर किया गया है। यहां सुनवाई के बाद ही निर्णय दिया जाएगा। शासन से अनुमति मिलने के बाद छह विक्रेताओं के विरुद्ध एसीजेएम न्यायालय में मुकदमा दायर किया गया है।

उत्तर प्रदेश में बढ़ रहा कोरोना वायरस संक्रमण, बीते 24 घंटे में मिले 49 नए संक्रमित

लखनऊ। विश्व के साथ भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के ओमिक्रोन वैरिएंट के बढ़ते मामले के साथ उत्तर प्रदेश में तीसरी लहर की गति भी तेज होने लगी है। प्रदेश में सरकार के ट्रैकिंग, टेस्टिंग तथा ट्रीट पर फोकस करने के कारण ही केस पकड़ में भी आ रहे हैं। बीते 24 घंटे में प्रदेश में 49 नए संक्रमित मिले हैं। गुरुवार को नए केस की संख्या 31 थी। प्रदेश में टेस्टिंग की गति काफी तेज है। बीते 24 घंटों में एक लाख 91 हजार 428 सैम्पल की जांच में कुल 49 नए संक्रमितों की पुष्टि हुई। इसी अवधि में 12 लोग ठीक होकर इसके संक्रमण से मुक्त हुए हैं। अब प्रदेश में कुल एक्टिव कोविड केस की संख्या 266 है, जबकि 16 लाख 87 हजार 657 लोग कोरोना संक्रमण को मात दे चुके हैं। प्रदेश में शुक्रवार को 37 जिलों में एक भी कोविड संक्रमित शेष नहीं है। प्रदेश में 19 करोड़ 14 लाख 94 हजार से अधिक कोविड टीकाकरण हो चुका है। इसके साथ ही नौ करोड़ 14 लाख से अधिक टेस्टिंग करके उत्तर प्रदेश टेस्टिंग और टीकाकरण देश में प्रथम स्थान पर है। अब यहां छह करोड़ 73 लाख 17 हजार से अधिक लोगों को टीके की दोनों डोज देकर कोविड का सुरक्षा कवर प्रदान कर दिया गया है। 12 करोड़ 41 लाख लोगों ने टीके की पहली डोज प्राप्त कर ली है। इस प्रकार टीकाकरण के लिए पात्र प्रदेश की कुल आबादी में से 84.23 फीसदी को पहली और 45.66 फीसदी लोगों को दोनों डोज मिल चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश है कि वैक्सीनेशन को और तेज करने की जरूरत है। इससे पहले गुरुवार को प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 31 नए मामले सामने आए। इनमें सर्वाधिक 11 नए मामले गौतम बुद्ध नगर में मिले। दूसरे नंबर पर गाजियाबाद रहा। प्रदेश में सबसे ज्यादा सक्रिय केस वाला जिला लखनऊ है जहां 48 मामले हैं। गौतम बुद्ध नगर में 41, गाजियाबाद में 28, मुजफ्फरनगर में 15, वाराणसी में 13 और प्रयागराज में 11 सक्रिय केस हैं। इनके अलावा 31 जिलों में 10 से कम सक्रिय केस हैं।

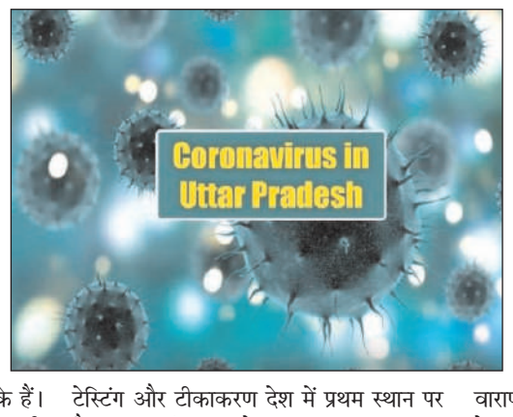

आगरा में जबरन बीयर पिलाकर चलती कार में युवती से गैंगरेप

आगरा। आगरा में चलती कार में एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की खबर है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। घटना थाना सिकंदरा इलाके की है। बताया जा रहा है कि टूंडला की रहने वाली युवती की छह महीने पहले उसकी दोस्ती इंस्टाग्राम पर एत्मादपुर क्षेत्र के रहने वाले एक युवक से हुई थी। इसी युवक ने युवती को 19 दिसंबर को मिलने के बहाने आगरा बुलाया था और कार में इसे सिकंदरा की तरफ ले गए। पीड़ित युवती ने पुलिस को बताया कि युवकों ने कार में बैठाने के बाद रास्ते में बीयर और सिगरेट खरीदीं। उसे जबरन बीयर पिलाने लगे। विरोध पर पिटाई लगाई। रास्ते में कृष्णा और हेमंत ने दुष्कर्म किया। पीड़ित युवती ने बताया कि आरोपी 40 किलोमीटर दूर फरह टोल से यू टर्न लेने के बाद वापस आ गए। शिकायत करने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इससे वो तीन दिन तक दहशत में रही। टूंडला की रहने वाली पीड़िता आईटीआई कर रही है। जिसके बाद पीड़िता ने पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस के मुताबिक आरोपी कृष्णा के पिता का एत्मादपुर में तंबाकू का कारोबार है। कृष्णा ने स्नातक किया है। इसके बाद पिता का व्यापार भी संभाल रहा था। उसने पुलिस की पूछताछ में युवती को बुलाने की पुष्टि की है। हालांकि पुलिस उससे पूछताछ में लगी है। वहीं आरोपी हेमंत स्नातक कर रहा है।

ओमिक्रोन को लेकर गोरखपुर में अलर्ट, बढ़ाई गई कोरोना जांच की संख्या

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन की दस्तक के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट व बस स्टेशन पर जांच बूथ बना दिए गए हैं। यात्रियों की जांच की जा रही है। इसके अलावा नियमित 58 बूथों पर जांच की संख्या बढ़ा दी गई है। प्रतिदिन लगभग चार हजार नमूनों की जांच हो रही है। ताकि कहीं भी संक्रमण हो तो पता चल सके। हालांकि राहत की बात यह है कि 21 अक्टूबर के बाद से जिले में एक भी संक्रमित नहीं मिला है। सीएमओ डा. आशुतोष कुमार दूबे ने कहा कि कोरोना से जिला भले ही मुक्त है लेकिन सावधानी जरूरी है। यदि लापरवाही की गई तो कोरोना के फैलने में देर नहीं लगेगी। पुनः दूसरी लहर जैसी स्थिति न आए, इसके लिए सभी लोग शारीरिक दूरी का पालन करें, मास्क लगाएं और हाथों को समय-समय पर सैनिटाइज करते रहें या साबुन-पानी से ठीक से धोते रहें। प्रदेश में ओमिक्रोन ने दस्तक दे दी है।

सीएम योगी व केन्द्रीय मंत्री सबानंद सोनोवाल पहुंचे अयोध्या, रामलला और बजरंगबली का करेंगे दर्शन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ केन्द्रीय आयुष मंत्री सबानंद सोनोवाल शुक्रवार सुबह रामनगरी अयोध्या पहुंच गए हैं। इसके बाद वह बहराइच का दौरा भी करेंगे। इस दौरान उनके साथ केन्द्रीय मंत्री सोनोवाल भी मौजूद हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ तथा केन्द्रीय मंत्री सोनोवाल इस दौरान दोनों जनपदों को करोड़ों की सौगात देने के साथ जनसभा को भी संबोधित करेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ का हेलीकाप्टर राम कथा पार्क में लैंड हुआ। यहां से वह हनुमानगढ़ी दर्शन के लिए रवाना हुए। नरेन्द्र मोदी सरकार के केंद्रीय आयुष मंत्री ससबानंद सोनोवाल के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अयोध्या तथा बहराइच के दौरे पर रहेंगे। योगी आदित्यनाथ तथा सबानंद सोनोवाल अयोध्या में 50 बेड वाले एकीकृत आयुष चिकित्सालय एवं 500 आयुष हेल्थ वैलनेस सेंटर का लोकार्पण करेंगे। यहां पर मुख्यमंत्री तथा केन्द्रीय मंत्री अयोध्या राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज-चिकित्सालय के साथ उन्नाव, श्रावस्ती, गोरखपुर, हरदोई, संभाल व मिजार्पुर में 50-50 बेड वाले एकीकृत आयुष चिकित्सालय और 250 राजकीय आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी आयुष हेल्थ वैलनेस सेंटर का शिलान्यास करेंगे। अयोध्या के जीआइसी मैदान में इन सभी कार्यक्रम के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ तथा केन्द्रीय मंत्री जनसभा भी करेंगे। अयोध्या के आयुष मेले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से रामनगरी के विकास के लिए बनी करोड़ों की विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी करेंगे। वह नगर निगम के विस्तार क्षेत्र में पथ प्रकाश व्यवस्था के लिए हाई मास्ट की स्थापना की योजना का शिलान्यास करेंगे। इसके अतिरिक्त ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट, कौशल्या सदन, पंचमुखी महादेव मंदिर से गुप्तारघाट तक मार्ग निर्माण, समदा झील के सुंदरीकरण, रेतिया से परिक्रमा मार्ग, मुक्ति धाम, कायाकल्प योजना में चिह्नित स्कूलों सहित रामकोट, रायगंज, स्वर्गद्वार, विभीषकुंड लक्ष्मणघाट, बृहस्पतिकुंड के सुंदरीकरण सहित अन्य वार्डों में सड़क एवं नाली के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया जाएगा। अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विशाल सिंह ने बताया कि रामनगरी का समग्र विकास प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में शामिल है।

पत्नी की मोबाइल पर अश्लील तस्वीरें भेज रहा था पति, पोल खुलते ही महिला रह गई हैरान

मुरादाबाद। महिला को ब्लैकमेल करने का अजीबोगरीब मामला सामने आया है। पहले अनजान नंबर से महिला के वाट्सएप पर अश्लील फोटो भेजे गए फिर उसे ब्लैकमेल किया गया। पुलिस से शिकायत के बाद हुई जांच में पता चला कि ब्लैकमेल करने वाला कोई बाहरी नहीं, बल्कि उसका पति ही है। वाट्सएप पर अश्लील फोटो भेजे जाने से परेशान महिला ने साइबर थाने में शिकायत की। पीड़िता ने ब्लैकमेल करने का भी आरोप लगाया। साइबर सेल ने जब जांच शुरू की तो पता चला कि महिला का पति ही ब्लैकमेल कर रहा था। इस मामले में सिविल लाइंस थाना पुलिस को कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। कांठ रोड निवासी महिला ने शिकायत की थी कि उसे अज्ञात नंबर से वाट्सएप कॉल काल करके और अश्लील फोटो भेजकर परेशान किया जा रहा है। मामले की जांच साइबर थाने में तैनात उप निरीक्षक मंजू को सौंपी गई। पुलिस की जांच में पता चला कि जिस नंबर से महिला को ब्लैकमेल और परेशान किया जा रहा है, वह कटघर थाना क्षेत्र के बरवारा मझरा भैंसिया निवासी मुहम्मद नईम के नाम पर है।

अयोध्या में सड़क हादसे में तीन छात्राओं की मौत, दो की हालत गंभीर

अयोध्या। लखनऊ-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए सड़क हादसे में स्कूल जा रही तीन छात्राओं की मौत हो गई। प्याज लेकर जा रहा ट्रक हाईवे पर डिवाइडर से टकराकर पलट गया। ट्रक के नीचे पांच छात्राएं दब गईं, जिसमें तीन की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने ट्रक को क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस के मौके पर पहुंच जाने से लोग शांत हो गए। हादसे में ट्रक के खलासी को भी चोटें आईं हैं। दुर्घटना के बाद ट्रक का चालक वाहन छोड़ कर भाग निकला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छात्राओं की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। शुक्रवार की सुबह एक ट्रक नासिक से प्याज लेकर बिहार जा रहा था। शहर की सीमा सआदतगंज में अचानक चालक का नियंत्रण ट्रक से छूट गया और वाहन डिवाइडर से टकराने के बाद हाईवे पर पलट गया। ट्रक जब पलटा उस वक्त पांच छात्राएं साइकिल से स्कूल जा रही थी। सभी ट्रक के नीचे दब गईं। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और बचाव कार्य में जुट गए। कैंट पुलिस ने मौके पर पहुंच स्थिति को संभाला। आईजी रेंज केपी सिंह, डीएम नितीश कुमार, एसएसपी शैलेश पांडेय भी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य तेज करने का निर्देश दिया। लोगों का आक्रोश देख उन्हें समझा कर शांत कराया। थाना प्रभारी एपी सिंह ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि ट्रक चालक को नींद आने से उसका नियंत्रण वाहन से छूट गया। हादसे में मृत छात्राओं की पहचान कर ली गई है। मृतकों में मुमताज नगर निवासी छात्रा सृष्टि कनौजिया, अंजली मौर्या और भीखन पुर निवासी शिवानी पाल शामिल है। सभी शहर के आर्य कन्या स्कूल में कक्षा आठ की छात्रा थीं। घायलों में मुमताज नगर निवासी छात्रा पलक और कोमल शामिल हैं। ट्रक का खलासी भी घायल है, जिसका नाम सलमान है। वह प्रतापगढ़ जिले के कुंडा गोहरौली का रहने वाला है। चालक सुरेश फरार है। घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

बुलंदशहर में घर के भीतर ही भाजपा जिला उपाध्यक्ष पर फायरिंग, बाल-बाल बचे

बुलंदशहर। बुलंदशहर में भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष के घर पर दो तीन लोगों ने फायरिंग कर दी। इस हमले में जिला उपाध्यक्ष बाल-बाल बच गए। जिला उपाध्यक्ष ने इस मामले में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस भी मामले की जांच कर रही है। गुरुवार की देर रात जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा जनप्रिय सिंह निवासी अंबा कॉलोनी अपने दोस्तों के साथ घर पर बैठे थे। इसी दौरान रालोद कार्यकर्ता विशाल चौधरी अपने छोटे भाई विनय चौधरी अपने साथ ही दिवाकर और रजत शर्मा के साथ मौके पर पहुंचे बातचीत के दौरान विशाल चौधरी ने फायर कर दिया। इस हमले में जनप्रिय सिंह बाल-बाल बच गए। सूचना पर पहुंचे एसपी सिटी ने आरोपित विशाल चौधरी की गाड़ी को कब्जे में ले लिया हालांकि चारों आरोपी मौके से फरार हो गए। जनप्रिय सिंह ने आरोपित विशाल चौधरी, विनय चौधरी पुत्र कर्ण राजेंद्र सिंह निवासी गढ़ नहर कॉलोनी दिवाकर रजत शर्मा उर्फ राजा निवासी गण साठा कोतवाली के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है।

किसान सम्मान दिवस पर कृषक औधानिक गोष्ठी, मेले का हुआ आयोजन

मऊ। 75वीं आजादी का अमृत महोत्सव सप्ताह मनाए जाने के क्रम में जिलाधिकारी अमित सिंह बंसल की अध्यक्षता में स्व0 चैधरी चरण सिंह भूतपूर्व प्रधानमंत्री के जन्म दिवस का कार्यक्रम जनपद के कल्प वाटिका उद्यान में किसान सम्मान दिवस एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत कृषक औधानिक गोष्ठी

विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टाल

मेला, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लाभार्थियों का सम्मान, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत लाभार्थियों का सम्मान, पीएम स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि योजना के अंतर्गत लाभार्थियों का सम्मान, स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान हुए अमर शहीदों के परिवार जनों का सम्मान, घरौनी वितरण समारोह के अंतर्गत लाभार्थियों का सम्मान एवं प्रमाण पत्र वितरण किया गया। उक्त मेला गोष्ठी में विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग के स्टाल लगाए गए। जिसका अवलोकन संयुक्त रुप से विधायक घोसी, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी द्वारा किया गया। उप कृषि निदेशक एसपी श्रीवास्तव द्वारा स्व0 चैधरी चरण सिंह के जीवन परिचय को विस्तार पूर्वक बताया गया एवं गोष्ठी में आए हुए किसान बंधुओं का अभिवादन किया गया। मुख्य अतिथि विधायक घोसी विजय राजभर द्वारा केंद्र में प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का व्याख्यान करते हुए कहा कि किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित हैं इसमें मुख्यरूप से किसानों के लिए किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के खाते में धनराशि दिए जा रहे हैं। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा एलईडी वेन के माध्यम से लाइव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम का संचालन राजेश श्रीवास्तव द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी सुभाष कुमार, जिला युवा कल्याण अधिकारी कृष्ण मोहन पाठक, जिला सूचना अधिकारी डॉक्टर धनपाल सिंह, कृषि अनुसंधान केंद्र से वैज्ञानिक एवं किसान बंधु उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने कोपागंज थाने का किया निरीक्षण, दिये दिशा निर्देश

मऊ। गुरूवार को पुलिस अधीक्षक सुशील घुले द्वारा थाना कोपागंज का वार्षिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान महोदय द्वारा सर्वप्रथम गार्द की सलामी लेकर थाना परिसर में भ्रमण कर परिसर की साफ-सफाई, भोजनालय, आरक्षी आवास/बैरक आदि का गहनतापूर्वक निरीक्षण कर साफ-सफाई को उच्चकोटि की बनाये रखने तथा मालमुकदमाती को समय से निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। इसके पश्चात महोदय द्वारा थाना कार्यालय में रखे रिकार्डो/रजिस्टरों, सीसीटीएनएस कक्ष, महिला हेल्प डेस्क आदि का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये साथ ही साथ आगामी चुनावों के दृष्टिगत रिकार्डो/रजिस्टरों को अद्यावधिक करने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गयें।

जिला स्तरीय युवा संसद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मऊ। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर एवं सुशासन सप्ताह के अन्तर्गत पडोस युवा संसद कार्यक्रम आयोजन नेहरू युवा केन्द्र मऊ के तत्वाधान में जिला स्तरीय युवा संसद का आयोजन सर्वोदय स्नाकोत्तर महाविद्यालय घोसी के प्रागंण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ विधायक घोसी विजय राजभर द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। सर्वप्रथम बच्चियों द्वारा सरस्वती बन्दना प्रस्तुत किया गया। इसके उपरान्त विधायक द्वारा युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चैधरी चरण सिंह की जयन्ती के अवसर पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ। हमारे देश में युवाओ की आबादी 14 प्रतिशत है। जिनके उपर भारत का भविष्य निर्भर करता है। उन्होने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं का कार्यक्रम है जिसमें युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी करने का मौका मिले। उन्होने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अन्य विभागों में चलायी जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं आयुष्मान भारत, प्रधानमत्री आवास योजना ग्रामीण, मिशन शक्ति बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओ, मुद्रा एवं स्टार्टअप योजना, युवा रोजगार, स्वच्छ भारत मिशन, सांसद ग्राम योजना, मातृत्व बन्दन योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना की जानकारी दी। इस अवसर पर विधायक द्वारा युवाओं को पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर डा0 बन्दा पाण्डेय, डा0 राजीव मिश्र, अमर नाथ मिश्र, रमेश चन्द्र सिंह, रितेश कुमार चैरसिया, पुनम सिंह, नरेन्द्र तिवारी, डा0 नवनीत कुमार उपाध्याय, आलोक पाण्डेय सहित युवा उपस्थित रहें।

बागेश्वर के संगम पर हमेशा ही स्नान पर्व चलते रहता है। अयोध्या में बहने वाली सरयू और बागेश्वर की सरयू नदी एक ही मानी जाती है। सरमूल से निकलकर बागेश्वर से बहते हुए पिथौरागढ़ तक इसे सरयू उसके आगे टनकपुर तक इसे रामगंगा तथा टनकपुर से आगे इसे शारदा नाम से जाना जाता है। तथा अयोध्या में इसे पुन- सरयू नाम से पुकारा जाता है।

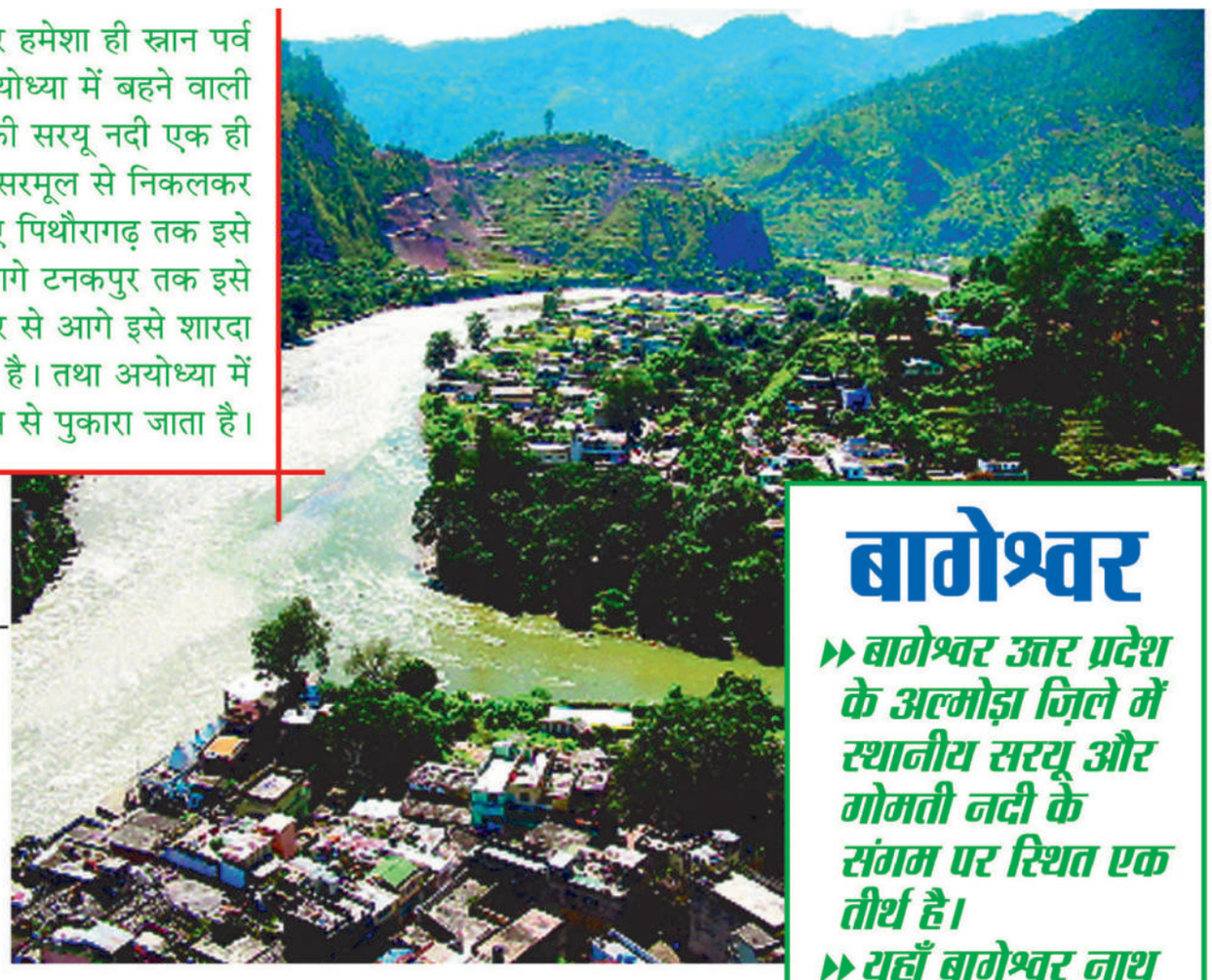

कुमाऊँ का एक मुख्य पर्यटन स्थल है

बागेश्वर

बागेश्वर कुमाऊँ का एक मुख्य पर्यटन स्थल है। यह नीलेश्वर और भीलेश्वर पर्वत श्रृंखलाओं के बीच सरयू, गोमती व विलुप्त सरस्वती नदी के संगम पर बसा है। पुराने समय से ही बागेश्वर को व्यापारिक मंडी के रूप में जाना जाता है। बागेश्वर में प्रतिवर्ष के बागनाथ मंदिर में ही प्रतिवर्ष विश्वप्रसिद्ध उत्तरायणी मेला भी लगता है।

प्राचीन समय में दारमा, व्यास, मुनस्यारी के निवासी भोटियों और साथ ही मैदान के व्यापारी भी इस मेले में आते थे। भेटिया जाति के लोग ऊन से बने वस्त्रों और जड़ी-बूटियों को बेचते थे और उसके बदले में अनाज व नमक इत्यादि जरूरत का सामान यहां से ले जाया करते थे। इसी कारण वर्तमान में नुमाइश मैदान कहे जाने वाले स्थान को पहले दारमा पड़ाव व स्वास्थ्य केन्द्र वाले स्थान को भोटिया पड़ाव कहा जाता था।

बागेश्वर के संगम पर हमेशा ही स्नान पर्व चलते रहता है। अयोध्या में बहने वाली सरयू और बागेश्वर की सरयू नदी एक ही मानी जाती है। सरमूल से निकलकर बागेश्वर से बहते हुए पिथौरागढ़ तक इसे सरयू उसके आगे टनकपुर तक इसे रामगंगा तथा टनकपुर से आगे इसे शारदा नाम से जाना जाता है। तथा अयोध्या में इसे पुन- सरयू नाम से पुकारा जाता है।

बागेश्वर का जिग्र स्कन्द पुराण के मानस खंड में भी किया गया है। इसके अनुसार बागेश्वर की उत्पत्ति आठवीं सदी के आस-पास की मानी जाती है। और यहां के बागनाथ मंदिर की स्थापना को तेरहवीं शताब्दी का बताया जाता है। 1955 तक बागेश्वर ग्राम सभा में आता था। 1955 में इसे टाउन ऐरिया माना गया। सन् 62 में इसे नोटिफाइड ऐरिया व 1968 में नगरपालिका के रूप में पहचान मिली। 1997 में इसे जनपद बना दिया गया।

स्वतंत्रता संग्राम में भी बागेश्वर का महत्वपूर्ण स्थान है। कुली बेगार आंदोलन की शुरुआत बागेश्वर से ही हुई थी। बागेश्वर अपने विभिन्न ग्लेशियरों के लिये भी विश्व में अलग स्थान रखता है। इन ग्लेशियरों के नाम है - सुंदरढुंगा, कफनी और पिण्डारी ग्लेशियर

प्राचीन समय में दारमा, व्यास, मुनस्यारी के निवासी भोटियों और साथ ही मैदान के व्यापारी भी इस मेले में आते थे। भेटिया जाति के लोग ऊन से बने वस्त्रों और जड़ी-बूटियों को बेचते थे और उसके बदले में अनाज व नमक इत्यादि जरूरत का सामान यहां से ले जाया करते थे। इसी कारण वर्तमान में नुमाइश मैदान कहे जाने वाले स्थान को पहले दारमा पड़ाव व स्वास्थ्य केन्द्र वाले स्थान को भोटिया पड़ाव कहा जाता था।

बागेश्वर

- बागेश्वर उत्तर प्रदेश के अल्मोड़ा ज़िले में स्थानीय सरयू और गोमती नदी के संगम पर स्थित एक तीर्थ है।
- यहाँ बागेश्वर नाथ की प्राचीन मूर्ति है जिसे स्थानीय जनता बाघनाथ के नाम से जानती है।
- मकर संक्रांति के दिन यहाँ उत्तराखण्ड का सबसे बड़ा मेला लगता है।
- स्वतंत्रता संग्राम में भी बागेश्वर का बड़ा योगदान है।
- कुली-बेगार प्रथा के रजिस्टरों को सरयू की धारा में बहाकर यहाँ के लोगों ने अपने अंचल में गाँधी जी के असहयोग आन्दोलन का सन 1920 ई. में श्रीगणेश किया था।

उत्तरायणी मेला- बागेश्वर

यूँ तो मकर संक्रान्ति या उत्तरायणी के अवसर पर नदियों के किनारे जहाँ-तहाँ मेले लगते हैं, लेकिन उत्तरांचल तीर्थ बागेश्वर में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली उतरैणी की रौनक ही कुछ अलग है । उत्तराखंड में बागेश्वर की मान्यता तीर्थराज की है । भगवान शंकर की इस भूमि में सरयू और गोमती का भौतिक संगम होने के अतिरिक्त लुप्त सरस्वती का भी मानस मिलन है । नदियों की इस त्रिवेणी के कारण ही उत्तरांचलवासी बागेश्वर को तीर्थराज प्रयाग के समकक्ष मानते आये हैं । बागेश्वर का कस्बा पुराने इतिहास और सुनहरे अतीत को संजोये हुए है । स्कन्द पुराण के मानस खण्ड में कूमचिल के विभिन्न स्थानों का विशद् वर्णन उपलब्ध होता है । बागेश्वर के गौरव का भी गुणगान किया गया है । पौराणिक आख्यानों के अनुसार बागेश्वर शिव की लीला स्थली है । इसकी स्थापना भगवान शिव के गण चंडीस ने महादेव की इच्छानुसार दूसरी काशी के रुप में की और बाद में शंकर-पार्वती ने अपना निवास बनाया । शिव की उपस्थिति में आकाश में स्वयंभू लिंग भी उत्पन्न हुआ जिसकी ऋषियों ने बागीश्वर रुप में अराधना की ।

स्कन्दपुराण के ही अनुसार मार्कण्डेय ऋषि यहाँ तपस्यारत थे । ब्रह्मर्षि वशिष्ठ जब देवलोक से विष्णु की मानसपुत्री सरयू को लेकर आये तो सार्कण्डेय ऋषि के कारण सरयू को आगे बढ़ने से रुकना पड़ा । ऋषि की तपस्या भी भंग न हो और सरयू को भी मार्ग मिल जाये, इस आशय से पार्वती ने गाय और शिव ने व्याघ्र का रुप धारण किया और तपस्यारत ऋषि से सरयू को मार्ग दिलाया । कालान्तर व्याघ्रेश्वर ही बागेश्वर बन गया । विष्णु की मानस पुत्री सरयू का स्नान पापियों को मोक्ष और सद्गति प्रदान करने वाला है । सरयू पापनाशक है । यम मार्ग को रोकने वाली सरयू के जल का पान करने से सोमपान का फल और स्नान अश्वमेघ का फल प्रदान करता है । बागेश्वर तीर्थ में मृत्यु से प्राणी शिव को प्राप्त होता है । इस प्रकार सूर्य तीर्थ तथा अग्नि तीर्थ के बीच स्थित विश्वेश्वर ही बागेश्वर है । सरयू का निर्मल जल सतोगुणी फल देता है । नदी की दूसरी धारा गोमती है जो अम्बरीष मुनि के आश्रम में पालित नन्दनी गाय के सींगों के प्रहार से उत्पन्न हुई । इसके जल को तमोगुण की वृद्धि करने वाला माना गया है । सरस्वती यहाँ केवल आस्था है । भौतिक रुप से जलधारा कही दृष्टिगोचर नहीं होती । बागेश्वर के सुनहरे अतीत में ही उतरैणी का भी गौरवमय पृष्ठ है । प्राप्त प्रमाणों के आधार पर माना जाता है कि चंद वंशीय राजाओं के शासनकाल में ही माघ मेले की नींव पड़ी थी । बागेश्वर की समस्त भूमि का स्वामित्व था । भूमि से उत्पन्न उपज का एक बड़ा भाग मंदिरों का रख-रखाव में खर्च होता था । चंद राजाओं ने ऐतिहासिक बागनाथ मंदिर में पुजारी नियुक्त किये । तब शिव की इस भूमि में कन्यादान नहीं होता था ।

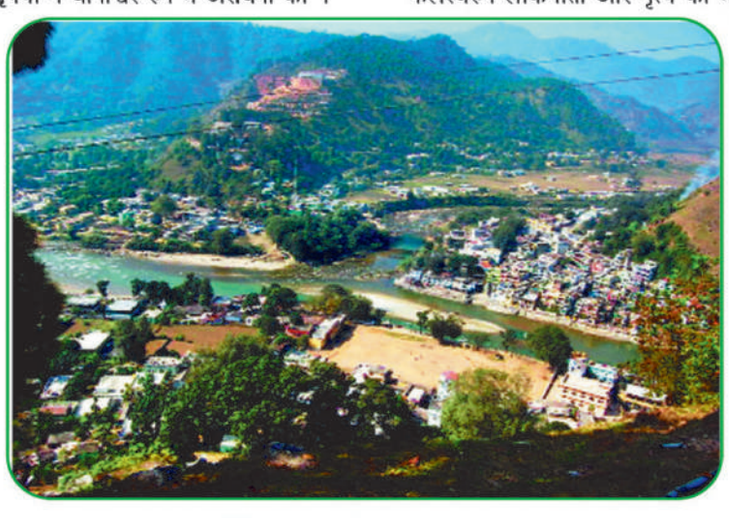

मेले की सांकृतिक और धार्मिक पृष्ठभूमि का स्वरुप संगम पर नहाने का था । मकर स्नान एक महीने का होते था । सरयू के तट को सरयू बगड़ कहा जाता है । सरयू बगड़ के आक-पास स्नानार्थी माघ स्नान के लिए छप्पर डालना प्रारंभ कर देते थे । दूर-दराज के लोग मोहर मार्ग के अभाव में स्नान और कुटुम्बियों से मिलने की लालसा में पैदल रास्ता लगते । बड़-बूढ़े बताते हैं कि महीनों पूर्व से कौतिक में चलने का क्रम शुरु होता । धीरे-धीरे स्वजनों से मिलने के आह्मलाद ने हुड़के का थाप को ऊँचा किया । फलस्वरुप लोकगीतों और नृत्य की महफिलें जमनें लगीं . हुड़के की थाप पर कमर लचकाना, हाथ में हाथ डाल स्वजनों के मिलने की खुशी से नृत्य-गीतों के बोल का क्रम मेले का अनिवार्य अंग बनता गया । लोगों को आज भी याद है उस समय मेले की रातें किस तरह समां बाँध देती थी ।

प्रकाश की व्यवस्था अलाव जलाकर होती । काँपती सर्द रातों में अलाव जलते ही ढोड़े, चांचरी, भगनौले, छपेली जैसे नृत्यों का अलाव के चारों ओर स्वयं ही विस्तार होता जाता । तब बागेश्वर ही मेले में नृत्य की महफिलों से सजता रहता । दानपुर और नाकुरु पट्टी की चांचली होती । नुमाइश खेत में रांग-बांग होता जिसमें दारमा लोग अपने यहाँ के गीत गाते । सबके अपने-अपने नियत स्थान थे । नाचने गाने का सिलसिला जो एक बार शुरु होता तो चिड़ियों के चहकने और सूर्योदय से पहले खत्म ही नहीं होता । परम्परागत गायकी में प्रश्नोत्तर करने वाले बैरिये भी न जाने कहाँ-कहाँ से इकट्ठे हो जाते । काली कुमाऊँ, मुक्तेश्वर, रीठआगाड़, सोमेश्वर और कव्यूर के बैरिये झुटपूटा शुरु होने का ही जैसे इन्तजार करते । इनकी कहफिलें भी बस सूरज की किरणें ही उखाड़ पातीं । कौतिक आये लोगों की रात कब कट जाती मालूम ही नहीं पड़ता था ।

रामशाला मंदिर पोखरे की सीढ़ी का ग्राम प्रधान ने किया शिलान्यास

दोहरीघाट, मऊ। ब्लाक क्षेत्र की सबसे बड़ी ग्राम सभा गोठा के ऐतिहासिक धार्मिक स्थल रामशाला मंदिर पर स्थित पोखरे के पूरब दिशा के घाट पर पक्की सीढ़ियों के निर्माण का शुक्रवार को ग्राम प्रधान ई रामजन्म गुप्ता ने शिलान्यास किया। ग्राम प्रधान ई रामजनम गुप्ता ने वैदिक रीति रिवाजों के साथ सीढ़ियों के निर्माण के लिए अपने हाथों से ईंट रख कार्य का शुभारम्भ किया। वही पोखरे के घाट पर पक्की सीढ़ियों के निर्माण होने से ग्रामीणों में खुशी की लहर है। सीढ़ियों के निर्माण होने से छठ पूजा पर इस पोखरे पर अर्ध्य देने आने वाले लोगों को भी कीचड़ में नहीं खड़ा होना पड़ेगा। इस दौरान ग्राम प्रधान ई रामजनम गुप्ता ने कहा कि पोखरे के सुंदरीकरण के लिए तेजी से कार्य कराया जाएगा। पोखरे के पूरब दिशा में लोगो के बैठने के लिए चबूतरे का भी निर्माण किया जाएगा।वही आगे बताया कि गांव में भी विकास कार्यो को प्रमुखता के साथ कराया जा रहा है। रामशाला मंदिर पोखरे के जीणोद्धार की दिशा में और आगे कार्य कराए जाएंगे। पोखरे के अन्य घाटो पर भी जल्द ही कार्ययोजना बना कर निर्माण कार्य कराया जाएगा। पोखरे को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए चारो तरफ सुंदर फूलों से सजाया जाएगा। इस दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रदीप कुमार राय उर्फ पवन, समाजसेवी रामजी राय, जयप्रकाश राय, हरिराम विश्वकर्मा, अरविंद, शशिकांत राय, अनूप राय, पूरन राय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

एंबुलेंस में गूंजी किलकारीः आशा कार्यकर्ता और इएमटी ने कराया सुरक्षित प्रसव

आजमगढ़। जनपद में स्वास्थ्य सेवाएं हर दिन नए लक्ष्य प्राप्त कर रही हैं। इसी क्रम में एक मामला एंबुलेंस का आया है। परिवारीजन की ओर से देर से सूचना के बावजूद 108 एंबुलेंस समय से पहुंची। एंबुलेंस चली ही थी कि महिला को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। मेडिकल टेक्नीशियन बिना समय गवाएं आशा की मदद से एंबुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया। फिलहाल जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। लाभार्थी- गाँव बाबू की खजूरी सुनैना ने बताया की डिलीवरी का समय पूरा हो गया था। 9 दिसंबर को प्रसव पीढ़ा होने पर 108 एंबुलेंस को घर वालों ने सुबह छः बजे फोन किया गया। 20 मिनट में एंबुलेंस घर आ गई ,और अस्पताल के रास्ते में हमें तेज प्रसव पीढ़ा होने लगी। मेरी असहनीय पीढ़ा को देख एंबुलेंस में मौजूद आशा दीदी और मेरी भाभी के सहयोग से एंबुलेंस के इएमटी ने एंबुलेंस में ही प्रसव कराया। मुझे बेटी का जन्म हुआ, जो आज बिल्कुल स्वस्थ है। आशा कार्यकर्ता ललिता ने बताया की गर्भ ठहरने के बाद से ही मैं सुनैना के संपर्क में थी । गर्भवती को अस्पताल ले जाने, दवा, प्रसव से पहले जांच, प्रसव और इसके बाद बच्चे के सभी टीकों तक की जिम्मेदारी हम आशा कार्यकर्ता का होता है। सुनैना को प्रसव पीड़ा हुई तो उसके घर से हमें फोन आया,मैं उन्हें 108 पर फोन कर एंबुलेंस बुलाने को बोला और मैं उनके घर पहुँच गई। गांव से निकलते ही सुनैना को प्रसव का दर्द बढ़ने लगा। स्थिति को बिगड़ता देखा इएमटी ने रास्ते में ही एंबुलेंस में हमारी मद्द से सुरक्षित प्रसव कराया और आज जच्चा- बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

संक्षिप्त खबरें

संगम क्षेत्र में बाँटे गये गर्म कपड़े

प्रखर डेस्क। स्वदेश सेवा संस्थान टीम द्वारा संगम क्षेत्र में सभी वंचित , बुजुर्गों , महिलाओं को शीत ऋतु के शुरवीर मुहिम के अंतर्गत निःशुल्क वस्त्र वितरण का कार्य किया गया। स्वदेश सेवा संस्थान द्वारा प्रयागराज में चलाये जा रहे #शीतऋतुकेशूरवीर मुहिम में वंचित लोगो को गर्म कपड़े, जूते, मोजा, कम्बल, स्वेटर, टोपी , साल इत्यादि बाँटे जा रहे हैं। स्वदेश सेवा संस्थान की टीम के सदस्यों में रंजीत, देव, अंकिता, हिमांशु, मंतसा, हर्ष , सचिन ,शिवम , वैष्णवी, तुषार व सौरभ जैसे कार्यकर्ता के सहयोग से यह कार्यक्रम सफल हुआ। आप भी स्वदेश सेवा संस्थान के इस पुनीत कार्य मे आप भी जुड़े और सहयोग करे।

हरिश्चंद्र महाविद्यालय के अध्यापकों ने अपनी 24 सूत्रीय मांगो को लेकर महाविद्यालय मे दिया धरना

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पुरानी पेंशन योजना की बहाली, प्रोफेसर पदनाम व ग्रेड संबंधी विसंगतियों तथा पीएचडी के पांच इंक्रीमेंट प्रदान करने में सरकार द्वारा लगातार उदासीनता व वादाखिलाफी के विरुद्ध प्रदेश स्तर पर सभी महाविद्यालयों के शिक्षक संघ अपना आक्रोश प्रदर्शित कर रहे हैं। हरिश्चंद्र महाविद्यालय वाराणसी के शिक्षक साथी इकाई अध्यक्ष डॉ बृजेश कुमार जायसवाल के नेतृत्व में काली पट्टी के साथ विरोध प्रदर्शित किए। इस अवसर पर डॉ जायसवाल ने कहा कि सरकार को हठधर्मिता छोड़कर हमारी सभी जायज मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करके यथाशीघ्र निर्णय दे देना चाहिए` महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ महाविद्यालय शिक्षक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ जगदीश सिंह ने कहा कि प्रोफेसर पद नाम के लिए विसंगतियों को दूर कर सरकार को शीघ्र ही ड्यू डेट से देना चाहिए ताकि यह विवाद दूर हो सके व साथ ही शिक्षक साथियों की जो अन्य मांगे हैं उस पर सरकार को शीघ्र सहानुभूति पूर्वक विचार करना चाहिए ताकि सरकार और महाविद्यालय शिक्षकों के बीच जो गतिरोध बना हुआ है वह दूर हो सके` इस अवसर पर महामंत्री डॉ शिवानंद यादव , डॉ अशोक कुमार सिंह वाणिज्य, डॉ अतुल कुमार तिवारी, डॉ अनिल कुमार सिंह, डॉ आनंद कुमार द्विवेदी, डॉ संजय श्रीवास्तव, डॉ संगीता शुक्ला, डॉ अशोक कुमार सिंह रसायन, डॉ शुभ्रा सिंह, डॉ आलोक कुमार सिंह, डॉ गजेंद्र दास, डॉ दर्शन शर्मा, डॉ शंकर राम, डॉ श्री प्रकाश गुप्ता, डॉ राहुल रंजन, डॉ कनक लता विश्वकर्मा, डॉ अनीता सिंह, डॉ रिचा सिंह, डॉ राम अशीष।

डा. सविता मेमोरियल वालीबाल प्रतियोगिता प्रथम दिन

प्रखर रामनगर वाराणसी। आज शुरू हुई क्षेत्रीय प्रतियोगिता में करीब ८२ टीमों ने भाग लिया,सुश्रुत क्लब के दोनों कोर्ट पर मैच सुचारू रूप से चला। प्रथम चक्र में करीब ४० टीमों ने अगले चक्र में प्रवेश किया। प्रमुख विजेता टीम रोहतक हरियाणा, एस एम जी ए चुनार, सुश्रुत क्लब ए बी तथा सुश्रुत डेण्टल ए बी, मूसाखाण, गांग पुर, जयहिंद छित्तूपुर, आदि की टीम ने अगले चक्र में प्रवेश किया। मुख्य कोर्ट का संचालन अमूल्य सिन्हा व अनिल सिंह मणि, तथा द्वितीय कोर्ट का संचालन ब्रम्हानंद पाठक व मनभरन यादव जी ने किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन डा तेजबली सिंह, विजय कुमार यादव (एस एस आई), श्री प्रकाश सिंह (एसआई) विश्वनाथ सोनकर के द्वारा हुआ। गहमागहमी से भरा क्षेत्रीय मैच देर रात तक चलने का उम्मीद है। सभी सुविधाओं से युक्त पूर्वांचल में अति लोकप्रिय मैंच में क्षेत्र के सभी क्षेत्रों के टीमों ने भाग लिया। हजारों की संख्या में दर्शक भी उपस्थित थे। नगर के प्रमुख लोगों में डा विजयानंद, डा नेहरू सिंह, राजेंद्र प्रसाद, सत्यप्रकाश, सुरेश पटेल, नुरुल शेख, राम अवध यादव, प्रेमप्रकाश पाठक,ओमप्रकाश यादव, प्रेम सिन्हा, मो० वली, भोला, छोटू, राम, पियूष, डा मुनीर, राजकुमार आदि उपस्थित थे।

सार्थक सेवा फाउंडेशन ने जरूरतमंदो में किया गर्म कपड़े वितरित

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। सामाजिक संस्था सार्थक सेवा फाउंडेशन ने शुक्रवार को सामने घाट मारुति नगर के गरीबों और जरूरतमंदो में गर्म कपड़े वितरण किए और संस्था की तरफ से सभी को भोजन कराया गया। इस कार्यक्रम कि संयोजक रीता गोस्वामी और उनकी सहयोगी रही। कार्यक्रम के सहयोगियों में स्वाति जायसवाल,वर्षा श्रीवास्तव,कमलेश,आशीष रहे। संस्था की अध्यक्ष पूजा गिरी ने सभी को धन्यवाद दिया और कहा कि हमारा प्रयास रहेगा की आगे भी ऐसे काम करते रहें।

रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार, स्वरोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा

प्रखर जौनपुर। जिले में 14 से 35 आयु वर्ग के युवाओं/युवतियों को अपनी रूचि के अनुसार आईटीआई एवं कौशल विकास मिशन में रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार, स्वरोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उक्त बातें शुक्रवार को जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने कौशल विकास मिशन योजना के प्रचार-प्रसार के लिए एलईडी वैन को कलेक्ट्रेट से हरी झंडी दिखाकर रवाना करते समय कहीं। एलईडी वैन के साथ चल रही नुक्कड़ नाटक की टोली गांव-गांव जाकर लोगों को कौशल विकास मिशन योजना के संबंध में जागरूक करेंगी। जनपद के युवाओं को कौशल विकास मिशन एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने एवं अधिक से अधिक लोगो को कौशल विकास मिशन में संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूक करना एवं उक्त योजना से लाभान्वित करने को कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। इस विषय में बताया गया कि कौशल विकास मिशन का उद्देश्य अल्पशिक्षित बेरोजगार युवाओं को निःशुल्क व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व रजनीश राय व जिला विकास अधिकारी बी.बी. सिंह ने सयुंक्त रूप से कलेक्ट्रेट से हरी झण्डी दिखाकर एलईडी वैन को रवाना किया। यह एलईडी टी0डी0 कॉलेज रोड, मोहम्मद हसन डिग्री कॉलेज, धमार्पुर, सेवईनाला आदि प्रमुख स्थानों पर नुक्कड नाटक व प्रचार-प्रसार के माध्यम से जनमानस को जागरूक किया गया।

दुकानदार को लक्ष्यकर फायर करने वाले तीनों आरोपितों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रखर चंदवक, जौनपुर। क्षेत्र के रतनूपुर बाजार में गुरुवार रात पैसे के विवाद में दुकानदार को लक्ष्यकर फायर करने के तीन आरोपियों को थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह, एस आई सुदामा,विभूति नारायण राय व हमराहियों संग मोढ़ेला तिराहे के पास से शुक्रवार सुबह दस बजे घटना में प्रयुक्त असलहे संग गिरफ्तार कर चालान कर दिया। गुरुवार रात रतनूपुर बाजार में मिठाई की दुकान चलाने वाले महुली गांव निवासी इंद्रजीत यादव व मेडिकल स्टोर चलाने वाले सूबेदार यादव के लड़के संजय कुमार यादव उर्फ राजू में पैसे के लेनदेन में विवाद हो गया।मामला इतना बढ़ गया कि संजय दोस्तों अपने गांव महुली निवासी सत्य प्रकाश यादव पिंटू व उमरवार निवासी रजनीश यादव संग दुकान पर पहुंच कर इंद्रजीत को लक्ष्यकर पिस्टल से गोली मार दी।हालांकि संयोग अच्छा था कि गोली लगीं नहीं।गोली की आवाज सुन आस पास के दुकानदार शोर मचाते हुए पहुंचे तब तक आरोपी फरार हो चुके थे।

गोली चलने की घटना से बाजार में दहशत फैल गई।सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई।घटना की जानकारी लेते हुए पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आरोपितों की तलाश में जुट गई। शुक्रवार सुबह गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह एस आई सुदामा,विभूति नारायण राय व हमराहियों संग मोढ़ेला तिराहे के पास से तीनों आरोपियों को पिस्टल सहित गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया।

पंचायत सहायकों के चयन में गडबड़ी व अनियमितता पर जिलाधिकारी ने की कार्रवाई

चंदौली। जनपद चंदौली के ग्राम पंचायत भीखारीपुर के ग्राम विकास अधिकारी श्री राजेश्वर पाल द्वारा ग्राम प्रधान श्रीमती कृष्णावती देवी के फर्जी हस्ताक्षर/मुहर कर कूट रचित प्रस्ताव तैयार कर जिला स्तरीय कमेटी को भेजा गया। इसके लिए ग्राम विकास अधिकारी राजेश्वर पाल के निलंबन एवं इनके खिलाफ एफ आई आर दर्ज करने की कार्यवाही की संस्तुति की गई तथा ग्राम प्रधान को पुनः बैठक कराकर पात्र अभ्यर्थी का चयन करने की कार्रवाई के निर्देश दिए गए। श्री वरुण कुमार सिंह ,ग्राम पंचायत अधिकारी भीखमपुर, विकासखंड चकिया के द्वारा शासनादेशानुसार कोविड-19 के मृतक आश्रित रवि मौर्या का प्रस्ताव चयन हेतु नहीं भेजा गया।

डा. चित्रलेखा सिंह को समाजवादी महिला सभा का राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर क्षेत्र में खुशी की लहर

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह द्वारा जनपद जौनपुर निवासी वरिष्ठ नेता डां चित्रलेखा सिंह को समाजवादी महिला सभा का राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर खबर जैसे ही जिले को लगी लोगों को खुशी की लहर दौड़ गई और उनको यह पद मिलने से जनपद के कार्यकताओं में हर्ष व्याप्त है सपा जिला अध्यक्ष लाल बहादुर यादव ने कहा चित्रलेखा को महिला सभा का राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर यह एक संदेश समाजवादी पार्टी ने दिया कि महिलाओं का सम्मान और स्वाभिमान सिर्फ समाजवादी पार्टी में है और डां चित्रलेखा के बनने से जनपद जौनपुर की समाजवादी पार्टी मजबूत होगी समाजवादी पार्टी की यही उम्मीद है कि महिलाओं को जोड़कर एक लंबी श्रृंखला चित्रलेखा द्वारा समाजवादी पार्टी में जोड़ने का काम किया जाएगा उनके मनोनयन पर खुशी जाहिर करने वालों मे जिला महासचिव हिसामुद्दीन शाह श्याम बहादुर पाल प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी विजय बागी विवेक रंजन यादव मनोज मौर्या शेखू खाँ आशिफ शाह आदि।

पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

प्रखर केराकत जौनपुर। ग्राम पंचायत खालिसपुर खुर्द चक्के स्थित कुटीर पीजी कॉलेज के बीएड विभाग द्वारा दिनांक 20:12. 2021 दिन सोमवार से पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम की शुरूआत हुई थी जिसका समापन दिनांक 24.12.2021 दिन शुक्रवार को हुआ ' योग प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिन योग प्रशिक्षक के रूप में पतंजलि योग समिति जौनपुर के जिला प्रभारी श्री शंभूनाथ यादव तहसील केराकत प्रभारी श्री रविन्द्र यादव और ब्लॉक जलालपुर प्रभारी श्री अंकुल ने बीएड विभाग के छात्र - छात्राओं को योग के निरंतर अभ्यास और योग के महत्व कि जानकारी प्रदान की तथा विगत पांच दिनों में बहुत से योग विधि का अभ्यास भी करवाया । समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य मेजर डॉ रमेश मणि त्रिपाठी जी रहें ' उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अपितु योग प्रशिक्षण कार्यक्रम बीएससी बीए और बीएड प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम का हिस्सा है किंतु इससे

हम सभी लाभान्वित हो रहे । योग से हमारे महाविद्यालय के सभी छात्र छात्राए लाभान्वित हो इसके लिए हम प्रयासरत है की निरंतर ऐसे योग कार्यक्रम संचालित कराए जाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बीएड विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ सी बी पाठक ने बताया कि योग दैनिक जीवन में स्वस्थ एवं संतुलित रहने का सबसे सरल साधन है । उक्त कार्यक्रम में अन्य अतिथियों के रूप में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षक एवं पत्रकार पंकज कुमार मिश्रा और जनहित महाविद्यालय के बी एड विभाग के शिक्षक और पत्रकार श्री श्यामधनी यादव जी मौजूद रहे । समापन कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों के लिए स्वागत गीत बीएड प्रथम सेमेस्टर की छात्राध्यापिका द्वय प्रतिक्षा चौबे और स्वीटी कश्यप द्वारा प्रस्तुत किया गया जबकि स्वागत भाषण बीएड विभाग के शिक्षक श्री विकास सिंह जी ने दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ रामेश्वर नाथ मिश्र ने किया ' कार्यक्रम में डॉ सुरेंद्र दूबे,डॉ नीता तिवारी उपेंद्र दूबे ,हितेंद्र दूबे ,राकेश कश्यप सहित बीएड विभाग के छात्र और छात्राएं उपस्थित रहीं ।

25 दिसंबर को अंबिका सेवा संस्थान द्वारा होने वाली खेलकूद प्रतियोगिता की तैयारी पूरी, आज होगा खेल

प्रखर गंभीरपुर/आजमगढ़। जनपद में अपनी अलग पहचान बना चुकी अंबिका सेवा संस्थान द्वारा लगातार अनेक कार्य किए जा रहे हैं इसी क्रम में बच्चों के हौसले को बढ़ाने के लिए हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 25 दिसंबर को खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कोई भी भाग ले सकता है जिसकी तैयारी अंतिम दौर में चल रही है मैदान की सफाई के लिए दर्जनों सफाई कर्मी और ट्रैक्टर तथा संस्था के लोग पूरी मेहनत से लगे हुए हैं विजई खिलाड़ियों को देने के लिए मेडल का प्रदर्शन अंबिका सेवा संस्थान कार्यालय बिंद्रा बाजार पर किया गया के संदर्भ में संस्था के अध्यक्ष रूप नारायण उपाध्याय ने बताया कि लगातार संस्था द्वारा बच्चों का हौसला बढ़ाने के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है 25 दिसंबर 2021 को अंबिका सेवा संस्थान द्वारा आयोजित बिंद्रा बाजार में निः शुल्क खेल प्रतियोगिता उम्र 15 से 25 वर्ष कबड्डी रस्साकशी ऊंची कूद लंबी कूद रस्सी कूद हैं।

मतदान कर्मियों को सामान्य प्रशिक्षण देने के लिए मास्टर ट्रेनरों को किया गया प्रशिक्षित

आजमगढ़। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल संपन्न कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में मतदान कर्मियों को सामान्य प्रशिक्षण देने के लिए 75 सामान्य मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया गया। स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर इंजीनियर कुलभूषण सिंह ने मास्टर ट्रेनरों को ईवीएम से मॉक पोल करने के बाद मॉक पोल सर्टिफिकेट, मतदान पूरा होने के बाद क्लोज बटन को दबाने संबंधी प्रपत्र, मॉक पोल के दौरान, मतदान के दौरान ईवीएम वीवीपैट रिप्लेसमेंट बंधित प्रपत्र भरने की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होने बताया कि अगर मतदान कर्मियों ने मॉक पोल संबंधी सर्टिफिकेट तथा मतदान पूरा होने संबंधी सर्टिफिकेट ठीक से भरना सीख लिया तो मतदान सकुशल होना तय है, क्योंकि इस बार प्रपत्र में कई चेकप्वाइंट भारत निर्वाचन आयोग में जोड़ा है, जैसे मॉक पोल प्रमाण पत्र में हां या ना में लिखना है। मॉक पोल के दौरान डाले गए वोटों का डाटा क्लियर किया कि नहीं, मॉक पॉल के बाद वीवीपैट के ड्रॉप बॉक्स से सभी वोटर स्लिप निकाली गई है, (हां या नहीं), वीवीपैट का खाली ड्रॉपबॉक्स पोलिंग एजेंट को दिखाया गया है (हां या नहीं), पोलिंग एजेंटों को कुल वोट 00 दिखाने के लिए कंट्रोल यूनिट पर टोटल बटन दबाएं गया हैं (हां या नहीं), पीठासीन अधिकारी द्वारा यह प्रमाण पत्र देना है कि वास्तविक मतदान शुरू होने से पहले सभी मतदान अधिकारियों की उपस्थिति में सीयू का टोटल बटन दबा कर कुल वोट शून्य दिखाया गया है। इस बार बार पीठासीन के साथ सभी मतदान अधिकारियों को भी उपरोक्त प्रक्रिया प्रमाणित करके हस्ताक्षर करना होगा। इसी प्रकार मतदान पूरा होने के बाद क्लोज बटन दबाने संबंधी प्रपत्र पर पीठासीन अधिकारी के साथ-साथ पोलिंग एजेंटों तथा सभी मतदान अधिकारियों को प्रमाणित करके हस्ताक्षर करना होगा। उपरोक्त प्रपत्र और निर्वाचन प्रक्रिया बताने से पहले सामान्य मास्टर ट्रेनरों को ईवीएम की भी हैंडसन ट्रेनिंग दी गई। इस अवसर पर सहायक निर्वाचन अधिकारी बृजेश श्रीवास्तव, कार्मिक अधिकारियों सहित समस्त जनरल मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

सिटी मजिस्ट्रेट ने भवनों को स्वीकृत नक्शे से कराया मिलान

मऊ। प्रदेश सरकार के मंशानुसार जिले में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अवैध कब्जा करने वालों सहित मानक के विपरीत निर्माण को लेकर लगातार कार्यवाही जारी है। जनहित व समाज हित को ध्यान में रखते हुये प्रशासन द्वारा कार्यवाही की जा रही है जिसमें सड़क, पटरी, सरकारी भूमि, पोखरी को पाटे जाने सहित अन्य प्रकार के नियम विरूद्ध कार्य को लेकर संबंधित के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को नगर मजिस्ट्रेट त्रिभुवन प्रसाद द्वारा नगर पालिका व नगर क्षेत्र में बनने वाले भवनों का स्वीकृत नक्शा के अनुसार निर्माण की गहनता से जांच की जा रही है। जहां कहीं भवन निर्मित हो चुका है जो स्वीकृत नक्शे के आधार पर बना मिलने पर उसकी तारीफ की जा रही है। जबकि विनियमित क्षेत्र में निमार्णाधीन भवनों का स्वीकृत नक्शे से मिलान कर बनाने का निर्देश दिया जा रहा है। शुक्रवार को

नगर क्षेत्र के परदहां मौजा में निरीक्षण किया गया जहां 10 व्यक्तियों का मानचित्र सही पाए जाने पर मौके पर स्वीकृत किया गया। सिटी मजिस्ट्रेट द्वारा विनियमित क्षेत्र के इंजीनियर को निर्देशित किया गया है कि 1 सप्ताह के अंदर नक्शा स्वीकृत कराना सुरक्षित करें तथा यदि कोई व्यक्ति बिना नक्शा स्वीकृत कराए निर्माण कार्य करता है तो उसे रुकवा दें। इसी के तहत भू-माफियाओं को भी चिन्हित करते रहें। मानचित्र के स्थलीय सत्यापन में गिरजेश, सजीव यति आदि का नक्शा सही पाया गया।

ऑर्थोस्कोपी द्वारा डॉ राहुल कुमार ने किया कंधे का सफल ऑपरेशन

मऊ। शारदा नारायन हॉस्पिटल के वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ राहुल कुमार ने बेल्थरा रोड निवासी 23 वषीर्या मो० माजिद का सफल कंधे का ऑपरेशन आर्थोस्कोपी द्वारा किया। मो० माजिद ने बताया की बहुत पहले उन्हें चोट लगी थी जिसके बाद उन्होंने ध्यान नहीं दिया। मरीज हैदराबाद में कार्यरत है जहा उन्हें फिर से चोट उभर गयी और बार बार कन्धा सरक जा रहा था। वहां उन्होंने परामर्श लिया तो पता चला की ऑपरेशन करना होगा। इलाज महंगा और लम्बे इंतजार के बाद बताया गया। उसके बाद उन्होंने बताया की रांची में परामर्श लिया तो वहा भी यही परेशानी बताई गयी और चिक्तिसक ने बताया की ऑपरेशन ही एकमात्र उपाय है। डेट न मिलने और महंगे

इलाज की वजह से वहा पे इलाज कराना संभव नहीं हो पा रहा था। फिर परिजनों को शारदा नारायण हॉस्पिटल के बारे में पता चला। मरीज मो० माजिद ने बताया की यहाँ पे मेरा बहुत अच्छा और कम खर्च में इलाज हुआ। डॉ राहुल कुमार ने बताया की सही समय पर सही जगह की जानकारी होना बहुत जरूरी है हमारे यहाँ मरीज बड़े शहरों से घूम कर आखरी में आते है जिसमे इलाज करने में बहुत दिक्कत पेश आती है। लोग बड़े ऑपरेशन के लिए सिर्फ बड़े शहरो की तरफ जाते है जबकि उससे अच्छा और कम खर्च में इलाज अपने जनपद में शारदा नारायण हॉस्पिटल में भी संभव है। यहां पे विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ इलाज किया जाता है।

सांताक्लॉज का रुप धारण कर बच्चों ने मतदान करने को किया प्रेरित

प्रखर जौनपुर। स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत नये नये तरीके अख्तियार करते हुए मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में स्थान ए.एन.सी. डांस एकेडमी ओलंदगंज में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने सांता क्लॉज का रुप धारण कर मतदान करने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि आकांक्षा समिति अध्यक्ष डा अंकिता राज ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सांता क्लॉज का रुप धारण किए बच्चों ने गीत गाकर व नृत्य प्रस्तुत कर मतदाताओं को प्रेरित किया। तथा सांताक्लॉज चाकलेट के साथ अपने अभिभावकों को वोटर कार्ड प्रदान कर उन्हें याद दिला रहे थे कि आगामी विधानसभा चुनाव में अपना मतदान जरुर करें। इस अवसर पर डा अंकिता राज ने अभिभावकों व छात्र छात्राओं को बताया कि वे चुनावी प्रक्रिया के बारे में जागरूकता फैलाने में कैसे मदद कर सकते हैं। उन्होने छात्राओं को देश के अच्छे और जिम्मेदार नागरिक बनने को प्रोत्साहित किया। उन्होने कहा कि मत का अधिकार हमें संविधान ने दिया है इसका प्रयोग कर हम अपने पसंद का ईमानदार जनप्रतिनिधि चुन सकते है। डा अंकिता राज ने लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदाताओं से शत प्रतिशत वोट देने की अपील किया। विशेषकर महिलाएं निर्वाचन के प्रति साक्षर हो और अपना मतदान जरुर करें तथा परिवार के अन्य लोगों को भी मतदान करने हेतु जागरूक व प्रोत्साहित करें। जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने निर्वाचन साक्षरता क्लब व चुनाव पाठशाला के सभी सदस्यों से अपील किया कि आपकी जिम्मेदारी है कि पात्र लोग स्वयं मतदान करें तथा अन्य सभी मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरुक करें। जिसमें जनपद का मतदान प्रतिशत बढ़े। संचालन सलमान शेख ने किया। इस अवसर पर डा अंजू कन्नौजिया, डा श्वेता, डा शैली, तसनीम फात्मा, रिचा गुप्ता, संगीता सेठ, सावन शर्मा, सूरज सेठ, शाकिर खान, आदित्य, चांद शेख आदि लोग उपस्थित रहे।

राज्य महिला आयोग द्वारा जागरूकता एवं महिला जनसुनवाई का किया गया कार्यक्रम

प्रखर जौनपुर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित महिलाओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विशेष जागरूकता शिविर एवं महिला जनसुनवाई का कार्यक्रम मा0 सदस्य उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य शशि मौर्य की अध्यक्षता में तिलकधारी महिला महाविद्यालय में संपन्न हुआ। मा0 सदस्य उ.प्र. राज्य महिला आयोग ने कहा कि शासन द्वारा महिलाओं एवं बेटियों हेतु विभिन्न जन कल्याणकारी योजनायें संचालित की जा रही है। निराश्रित महिला पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं योजना आदि है। उन्होने कहा कि सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। शासन द्वारा महिलाओं की हर सम्भव मदद् की जा रही है। सरकार के द्वारा महिलाओं एवं बच्चों को आगे लाने का प्रयास किया जा रहा है। खुद को आगे बढ़ने हेतु महिलाओं को सक्षम बनना होगा। महिलाओं को समाज में अपने अधिकार के लिए लड़ने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में सखी वेलफेयर की अध्यक्ष प्रीति गुप्ता, उ.प्र. राज्य समन्वयक दलित महिला आंदोलन शोभना जी, उवर्सी सिंह सहित अन्य महिलाओं ने महिला सशक्तिकरण के सम्बंध में जानकारी देते हुए उन्हें महिला अधिकारों के प्रति जागरूक भी किया गया। अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवानी रावत ने कानून के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत कमजोर, असहाय लोगों का निशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि सकारात्मक रहते हुए खुद को मजबूत बनाये। निर्भया टीम की अध्यक्ष रेनू ने महिलाओं से जुड़े मामलों में त्वरित कार्यवाही के सुझाव दिए। सीडीपीओ मनोज वर्मा ने कहा कि बच्चो के पालन पोषण में लिंग भेद न करें। महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में बताया जाए। सभी से अपील किया कि यहाँ से जाने के बाद अन्य लोगों को भी जागरूक करें। मासिक धर्म, सैनेटरी पैड के बारे में चर्चा करने के सुझाव दिया। इस अवसर पर बाल संरक्षण अधिकारी चंदन राय, महिला कल्याण अधिकारी नीता वर्मा, जिला महिला समन्वयक प्रतिभा सिंह सहित अन्य उपस्थित रहें। इसके उपरान्त उ0प्र0 राज्य महिला आयोग द्वारा महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने हेतु जनपद नामित मा. आयोग की सदस्य श्रीमती शशि मौर्या द्वारा निरीक्षण भवन में महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा/महिला जनसुनवाई की। महिला जनसुनवाई के दौरान कुल 08 शिकायती प्रकरण प्राप्त हुए।

कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए ऑनलाइन परीक्षा के संदर्भ मे छात्रों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

प्रखर पूर्वान्चल गौतमबुद्ध नगर। विद्यार्थी अब्दुल कलाम टेक्निकल विश्वविद्यालय लखनऊ के अंतर्गत आने वाले विभिन्न महाविद्यालय के छात्रों ने मीडिया से बातचीत मे बताया की हम सभी छात्र हित के महत्वपूर्ण मुद्दे की तरफ आकर्षित करना चाहते हैं। जैसा कि आपको ज्ञात है कोरोना वायरस का नया वेरिएंट ओमिक्रोम का प्रकोप भारत में भी धीरे-धीरे बढ़ रहा है और इसके कुछ मामले हमारे प्रदेश और क्षेत्र में भी पाए गए हैं । जिससे सभी विद्यार्थी दहशत में है और अपने स्वास्थ के लिए चिंतित भी हैं उनके साथ साथ अभिभावक भी चिंतित है । अतः आप के माध्यम से मुख्यमंत्री ,शिक्षा मंत्री और अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी के सम्मानित वाइस चांसलर सर से हम यह अनुरोध करना चाहते हैं कि कृपया आने वाले समेस्टर की परीक्षाएं पिछले सेमेस्टर की तरह ही आनलाइन मोड में कारवाई जाए।

यह व्यवस्था छात्रों और अध्यापकों दोनों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए उत्तम है। जब सभी नौकरी (प्लेसमेंट) से संबंधित परीक्षा ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है ।यहां तक कि साक्षात्कार भी ऑनलाइन माध्यम से ही लिए जा रहे हैं तो सेमेस्टर की परीक्षाएं ऑफलाइन करा कर छात्र और शिक्षकों के स्वास्थ्य और जीवन को जोखिम में डालना किसी भी तरह से उचित नहीं है। अतः आप से अनुरोध है कि मामले का संज्ञान लेते हुए छात्र हितों में कार्यवाही करने का कष्ट करें । रचित गुप्ता के नेतृत्व मे जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा उनके साथ हैप्पी भाटी,नैतिक ,अभिनव पटेल, उत्कर्ष, आकाश, शशांक, कृष्णा, अंकित, प्रभात , गरिजेश, नवनीत, उज्ज्वल, आयुष, राहुल, जितेंद्र अभिनव, प्रभात यादव आदि छात्र मौजूद रहे।

वनिता इन्स्टिट्यूट ऑफ फैशन एण्ड डिजाइन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं द्वारा डिस्प्ले कम डिमॉन्स्ट्रेशन का किया आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वनिता इन्स्टिट्यूट ऑफ फैशन एण्ड डिजाइन (वनिता पॉलिटेक्निक) लहुराबीर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही एक द्विवर्षीय वार्षिक ,अर्द्धवार्षिक पाठ्यक्रम की छात्राओं द्वारा डिस्प्ले कम डिमॉन्स्ट्रेशन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की दृश्य संकाय की एसोसिएट प्रोफेसर डा० उत्तमा दीक्षित थी। इसी क्रम में डा० दीक्षित द्वारा प्रोजेक्टर प्रजेण्टेशन के माध्यम से अभिव्यक्ति में ड्राइंग एवं स्केचिंग की भूमिका विषयक व्याख्यान भी दिया। इस अवसर पर काशी अनाथालय एसोसिएशन के सचिव श्री कुमार अग्रवाल सह सचिव अरविन्द शुक्ला संस्था के अध्यक्ष प्रो० राय कल्याण कृष्ण संयोजक विनय कुमार जैन तथा सोशल एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के तमाम गणमान्य जन उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों का स्वागत संस्था की प्राचार्या मीनाक्षी भाटला ने किया उपस्थित अतिथियों ने छात्राओं द्वारा हस्त निर्मित परिधानों की बखूबी प्रशंसा की इसी कम में संस्था के सचिव श्री कुमार अग्रवाल ने आर्थिक स्वावलम्बन की ओर अग्रसारित करते हुये धनोपार्जन करने के लिये प्रोत्साहित किया` संस्था की मानद संस्थापक निदेशिका, प्रो०(श्रीमती) अन्नपूर्णा शुक्ला ने उपस्थित अतिथियों एवं छात्राओं को आशीर्वचन देते हुये उन्हें भविष्य में समुन्नत भारत के निर्माण में संस्था द्वारा दिये गये प्रशिक्षण की दिशा में अग्रसर होने का मार्ग प्रशस्त किया।

मुख्यमंत्री ने फूलपुर के किसान को किया सम्मानित

प्रखर पिंडरा वाराणसी। किसान दिवस पर गुरुवार को लखनऊ स्थित लोकभवन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पिंडरा ब्लाक के प्रगतिशील कृषक व फूलपुर निवासी ओम प्रकाश पटेल को प्रदेश मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया। इस दौरान उन्हें प्राकृतिक व जैविक खेती पर राज्य पुरस्कार के साथ प्रशस्ति पत्र व 75 हजार रुपए की नगद धनराशि दी गई। बताते चलें कि पिंडरा ब्लाक के किसान ओम प्रकाश पटेल द्वारा प्राकृतिक खेती की जाती है और जनपद स्तर पर अनेक पुरस्कारों से नवाजे जा चुके हैं। किसान ओम प्रकाश को राज्य पुरस्कार से पुरस्कृत करने पर उप कृषि निदेशक एके सिंह व कृषि अधिकारियों ने फोन कर बधाई दी।

पत्नी से चल रहा था विवाद, फाँसी लगाकर दी जान

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। मंडुआडीह थाना क्षेत्र के भुल्लनपुर इलाके में किरायेदार ने फांसी लगाकर जान दे दी।घटनास्थल से मिली जानकारी के मुताबिक मंडुआडीह थानांतर्गत भुल्लनपुर में शुक्रवार को प्रातः राजकुमार पटेल के घर मे किराए पर रहकर इलेक्ट्रिक बैलेंस का कार्य करने वाले मृतक शुभम जायसवाल 26 वर्ष ने फांसी लगा ली।वह अपनी नानी ज्ञान देवी के साथ रहता था।वृद्ध नानी ज्ञान देवी के मुताबिक मृतक की शादी एक वर्ष पूर्व जमालपुर,जौगापुर कछवा निवासी से हुई थी।इधर विगत एक सप्ताह से पति व पत्नी में विवाद के बाद पत्नी अपने मायके चली गयी थी। सुबह नानी ज्ञान देवी की नींद खुली तो देखा कि उनका नाती शुभम सीलिंग पंखे के हुक में रस्सी के सहारे फाँसी लगाकर लटका हुआ था।ज्ञान देवी तुरन्त घर से बाहर निकल शोर मचाने लगी तब आसपास के लोगो ने शुभम को फंदे से उतार कर नजदीक के अस्पताल ले गए जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

डेरेक्स यूनिवर्सिटी यूएसए के रसायन शास्त्री का अतिथि व्याख्यान आयोजित

प्रखर जौनपुर। कुटीर पीजी कॉलेज चक्के जौनपुर में बुधवार को महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग ने एक महत्वपूर्ण अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया जिसमें मुख्य वक्ता डेरेक्स यूनिवर्सिटी फिलेडेल्फिया यूएसए के रसायनशास्त्री डॉ संतोष यादव जी रहें । डॉ संतोष यादव मूलतः प्रयागराज के रहने वाले है और अपने परास्नातक की शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में ही पूर्ण की ,जिसके बाद उन्होंने साउथ कोरिया से पॉलिमर केमेस्ट्री विधा में पोस्ट डॉक्ट्रल की उपाधि प्राप्त की और वर्तमान में यूएसए में ही कार्यरत है । बुधवार को महाविद्यालय के सभागार में पीजी और यूजी रसायन विज्ञान के छात्रों को अतिथि व्याख्यान के रूप में "ग्रेफिन एक थमोर्सेट पॉलिमर" विषय पर महत्वपूर्ण व्याख्यान सुनने को मिला । आडिओ विजुअल हाल में व्याख्यान कार्यक्रम के दौरान मंच पर महाविद्यालय के प्राचार्य मेजर डॉ रमेश मणि त्रिपाठी, रज्जू भैया इंस्टीट्यूट पूर्वांचल विवि के रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ प्रमोद और उनके एक अन्य सहयोगी , महाविद्यालय के रसायन विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ अमरेश कुमार जी उपस्थित रहे । आयोजन के दौरान रसायन विज्ञान विभाग के डॉ चित्रसेन गुप्ता , डॉ नागेंद्र प्रताप मिश्र , डॉ विनय पाठक , प्राणि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ राजेश खरवार , जैव प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षक एवं पत्रकार पंकज कुमार मिश्रा , ओमेगा पब्लिक स्कूल के प्रबंधक पंकज भूषण मिश्र, राहुल मिश्र , रत्नाकर पाठक सहित तमाम छात्र छात्राए सभागार में उपस्थित रहे । मंच संचालन अनुश्री ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ विनय कुमार पाठक ने किया ।

भारतीय सनातन परम्परा विषय पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ धाम लोकार्पण के उपलक्ष्य में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, उ०प्र० राज्य पुरातत्व विभाग, उ०प्र० संग्रहालय निदेशालय (संस्कृति विभाग) एवं जिला प्रशासन, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय सनातन परम्परा" विषय पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन संरक्षित स्मारक गुरुधाम मन्दिर परिसर, वाराणसी में किया गया है। प्रश्नगत प्रदर्शनी दिनांक 30 दिसम्बर, 2021 तक प्रातः 10.30 बजे से सांय 5.00 तक आमजन के अवलोकनार्थ खुली रहेगी। प्रदर्शनी में काशी के साथ-साथ देश के प्रमुख मन्दिरों, मूर्तियों, चित्रकला आदि के लगभग 100 से अधिक प्रदर्श प्रदर्शित किये गये है। भारत के सनातन परम्परा, शाक्त परम्परा, मठ परम्परा पर चित्रों के माध्यम से विस्तार से प्रकाश डाला गया है। इस अवसर पर एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें अतिथियों ने अपनी विरासतीय परम्परा को भावी पीढ़ी के माध्यम से संरक्षित करने पर बल दिया। इनके संरक्षण हेतु सभी स्मारकों आदि को आमजन के जीवन से जोड़कर उसे व्यावहारिक रूप से प्रस्तुत करने की बात कही गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के निदेशक एवं वरिष्ठ कलाकार, प्रो० सुरेश शर्मा, प्रो० मारुतिनन्दन तिवारी, प्रो० सीताराम दूबे, श्री अशोक कपूर, डॉ० लवकुश द्विवेदी, निदेशक अयोध्या शोध संस्थान ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अतिथियों का स्वागत डॉ० सुभाष चन्द्र यादव, क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी, वाराणसी तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो० विजय शंकर शुक्ल, निदेशक, इन्दिरा गांधी कला केन्द्र, वाराणसी ने किया। प्रदर्शनी का संयोजन प्रो० विजय शंकर शुक्ल, डॉ० सुभाष चन्द्र यादव एवं डॉ० अभिजीत दीक्षित ने किया। इस अवसर पर प्रो० सुमन जैन, डॉ० उषा शुक्ला, डॉ० रजनीकान्त पाण्डेय, डॉ० एस०पी० पाण्डे, डॉ० ओम प्रकाश सिंह, डॉ० राजेश कन्नौजिया, श्री अनुराग सिंह, डॉ० सुजीत चौबे, मंजरी तिवारी, अदिती गुलाटी, डॉ० ज्योति सिंह, मनोज कुमार, कुमार आनन्द पाल, प्रदीप कुमार आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जनपद कुशीनगर की लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने के लिये अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन आज 33वें दिन भी जारी

प्रखर कुशीनगर। पिछले 13 वर्षों से जनपद कुशीनगर की लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने के लिये भारतीय किसान यूनियन (अ) का अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन भारतीय किसान यूनियन (अ) के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह के नेतृत्व में 22 नवम्बर 20 21 से लगातार जारी है। आज दिनाँक 24 दिसम्बर 2021 को धरना प्रदर्शन के 33वां दिन है। यूनियन के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह को किसानों ने अवगत कराया है कि, जनपद में कुछ चीनी मिलों द्वारा घटतौली का कार्य किया जा रहा जो किसानों के पेट मे सीधे सीधे प्रहार किया जा रहा है जिसको किसी भी सूरत में बर्दाश्त नही किया जा सकता है साथ ही साथ कुछ चीनी मिलों द्वारा गन्ना माफियाओं के मिलीभगत करके किसानों के गन्ने को औने पौने दामों में भी खरीदा जा रहा है उसके ऊपर सम्बन्धित अधिकारी ध्यान दे अन्यथा यूनियन सम्बन्धित अधिकारी का कार्यालय घेरने को बाध्य होगा। आगे जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह ने किसानों को सम्बोधित करते हुये उत्तर प्रदेश सरकार को स्पष्ट शब्दों में बताया कि किसान हित मे 13 वर्षों से बंद चीनी लक्ष्मीगंज को चलवाने के लिये घोषणा अविलम्ब करे जो इस क्षेत्र के किसानों, ब्यापारियों और बेरोजगार नौजवानों की मांग है वरना आने वाला समय में किसानों द्वारा कोई बड़ा कदम उठाने के लिये विवश होना पड़ेगा जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। अन्त में जिलाध्यक्ष ने कहा कि, जब-तक बन्द चीनी मिल लक्ष्मीगंज को चलवाने के लिये सरकार घोषणा करके कार्य शुरू नही कराती है तब-तक यह धरना प्रदर्शन अनवरत ऐसे ही चलता रहेगा। इस मौके पर हरी जी, कृष्ण गोपाल चौधरी, सुरेन्द्र कुशवाहा, मैना देवी, जगदीश, रामशीष, मैना देवी, रामबृक्ष, छेदी राय, श्याम लाल, रीता राय, श्रीकान्त गौड़, रामनरेश राय, बल्लन राय, जगदीश भर, भुवाल, बिलट यादव, कोदई प्रसाद, जय राम, ओमप्रकाश, लवगी, मराछि देवी, सुदामी देवी, चम्पा देवी,रामशीष यादव,बेचू गौड़, सचिन,सकीन, आकाश मौर्या, बालेश्वर राय, रामप्यारे, नसुद्दीन के साथ सैकड़ो सहपाठी सहभागिता किये।

संक्षिप्त खबरें

रामाश्रय यादव को मिली डॉक्टर की उपाधि, गांव में हर्ष का माहौल

प्रखर मेंहनगर आजमगढ़। तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत भदिया के ग्राम प्रधान रामनवल यादव के छोटे भाई रामाश्रय यादव को डॉक्टर की मिली उपाधि गांव में हर्ष का माहौल है !बताते चलें कि रामाश्रय यादव इंटर की शिक्षा बाबा देवनाथ इ0का0 खरगपुर ,स्नातक की डिग्री माँ धनावती महाविद्यालय सिंहपुर ,एम,ए, की शिक्षा लखनऊ से प्राप्त कर हिंदी विषय मे शोध निदेशिका डॉ0 अनिता सिंह एसोसिएशन व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष हिंदी विभाग जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल पोस्ट ग्रेजुएट कालेज बाराबंकी भक्ति आंदोलन "और हिंदी आलोचना " शीर्षक पर शोध डॉ 0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद से शोधाचार्य रामाश्रय यादव को पीएचडी की उपाधि का प्रमाण पत्र कुल सचिव ने 19 दिसम्बर को प्रमाण प्रेषित किया ,डॉक्टर की उपाधि से रामाश्रय यादव ने बड़े भाई ग्राम प्रधान को दी ,श्री यादव के बड़े भाई ग्राम प्रधान ,तो दूसरा शिक्षक हैं ।उपाधि ग्रहण करने पर गांव में खुशी जाहिर करते हुए ग्राम प्रधान ने एक दूसरे का मुंह मीठा किया ।वही शुभचिन्तकों ने घर जाकर बधाई दी ।

श्रीमद्भागवत सप्ताह कथा' के तीसरे दिन कथाव्यास जी द्वारा 'भक्त चरित्र' एवं यमलोक (नर्कों) का किया वर्णन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बिरदोपूर स्थित कैलाश मठ में 'दिशा सोसाइटी' द्वारा करवाई जा रही संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा' के तीसरे दिन कथावाचक बालव्यास भागवताचार्य आकाश शर्मा ने भक्त चरित्र एवं यमलोक के विभिन्न प्रकार के नर्कों का विस्तार से वर्णन किया एवं श्रीमद् भागवत कथा के बारे में बताया कि भागवत कथा का श्रवण करने से भीतर की सभी बुराईयों का क्षय हो जाता है। हमें भागवत कथा सुनने के साथ साथ उसकी शिक्षाओं पर भी अमल करना चाहिए।संगीतमयी 'श्रीमद्भागवत कथा' में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही एवं श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते दिखे के कथा के दौरान विभिन्न झांकीया दिखाई गई गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो की धुन पर पर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। श्रोताओं में मुख्य रूप से कथा के संयोजक मनोज मिश्रा , दिशा सोसाईटी के अजीत पांडे , वीरेंद्र दुबे , मनोज राय ,श्रुति मिश्रा , लीला दुबे, मोनिका मिश्रा आदि गणमान्य जन उपस्थित रहे।

राष्ट्रवादी चिंतक मंच के प्रधान कार्यालय में हुई गोष्ठी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। स्वामि श्रद्धानंद जी का जन्म 22 फरवरी 1856 में हुआ था इनका कार्य क्षेत्र लाहौर और पंजाब था। ये शुद्ध रूप वैदिक संन्यासी थे भारतीय हिंदू शुद्धि महासभा की स्थापना कर,परिवर्तित को हिंदू धर्म में शामिल किया।उन्होंने दो लाख मलकानो को हिंदू धर्म में पुनर्स्थपित किया। स्वामी श्रद्धानद जी स्वराज , स्वधर्म, स्वभिमन में बलीदान हो गए वे स्वयं बहुत ही नियम कानून के पक्के थे। वे आर्य समाज के महऋषि दयानंद जी के शिक्षा व प्रसार किया। आताताई आतंकी ने साधु की हत्या कर दी वे वीर सैनिक की भूमिका में थे।क्रांतिकारी, स्वतंत्र सेनानी,कट्टर हिन्दू धर्म के अग्रध्वज थे।राष्ट्रवादी चिंतक मंच के प्रधान कार्यालय में गोष्ठी आयोजित हुआ था जिसमे वक्ता विद्वान अधिवक्ता शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ,आरएसएस संघ चालक कन्हैया लाल संगतानी,गोविंद खन्ना,राजेश राय वरिष्ठ समाज सेवी, अरविंद सिंह आदि उपस्थित थे।

वार्षिकोत्सव समारोह के मुख्य अतिथि होंगे एल.जी. मनोज सिन्हा

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। क्षेत्र के पंडित मदन मोहन मालवीय इंटर कालेज सिखड़ी के 43वें वार्षिकोत्सव के मुख्य अतिथि मनोज सिन्हा महामहिम उप राज्यपाल जम्मू-कश्मीर होंगे। उनके साथ जनपद के भाजपा विधायक सहित एम एल सी विशाल सिंह चंचल, और भाजपा का शिष्टमंडल भी उपस्थित रहेगा। गौरतलब है कि पंडित मदन मोहन मालवीय इंटर कालेज सिखड़ी अपना वार्षिकोत्सव पच्चीस दिसंबर के दिन महामना मदनमोहन मालवीय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष मनाता आ रहा है। जिसमें विविध रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की आकर्षक प्रस्तुति की जाती है। हर वर्ष की भांति इस बार कार्यक्रम कुछ बड़ा रहेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा०लक्ष्मीकांत वाजपेई पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष करेंगे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं